राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस
क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट,नोटिस,वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-9879141480
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई,उतरप्रदेश,बिहार,राजस्थान,मध्यप्रदेश,उतरांचल,उतराखंड,दिल्ली,हरियाणा में प्रकाशित

सुरत–गुजरात,संस्करण शनिवार,21जनवारी–2023 वर्ष–5,अंक–354 पृष्ठ–08 मूल्य–01रूपये

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

निरंतर 'रोजगार मेला' हमारी सरकार की पहचान है : मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के युवाओं को सशक्त बनाने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख करते हुए कहा कि रोजगार मेला देश के युवाओं को सशक्त बनाने का प्रयास है। निरंतर हो रहे रोजगार मेले अब हमारी सरकार की पहचान बन गए हैं।

यह दिखाता है कि हमारी सरकार जो संकल्प लेती है, उसे सिद्ध करके दिखाती है। प्रधानमंत्री शुक्रवार को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से सरकारी विभागों और संगठनों में भर्ती हुए लगभग 71,000 नवनियुक्तों को नियुक्ति पत्र सौंपने के बाद संबोधित कर रहे थे। इससे पहले प्रधानमंत्री ने

नवनियुक्त युवाओं से बातचीत भी की। सभा को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि यह 2023 का पहला रोजगार मेला है, जो 71 हजार परिवारों के लिए सरकारी रोजगार का अनमोल उपहार लेकर आया है। प्रधानमंत्री ने नए नियुक्त किए गए लोगों को बधाई दी और कहा कि रोजगार के ये अवसर न केवल नियुक्त किए गए लोगों में, बल्कि करोड़ों परिवारों में आशा की नई किरण जगाएंगे। उन्होंने बताया कि आने वाले दिनों में लाखों नए परिवारों को सरकारी नौकरियों में नियुक्त किया जाएगा, क्योंकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) शासित राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में रोजगार मेले नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे हैं। आगे प्रधानमंत्री ने बताया कि असम सरकार ने कल ही रोजगार मेले का आयोजन किया था और बहुत जल्द मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र और उत्तराखंड जैसे राज्य इस मेले को आयोजित करने जा रहे हैं। नियमित रोजगार मेले इस सरकार की निशानी बन गए हैं। वे दिखाते हैं कि इस सरकार ने जो भी संकल्प लिया है, वह साकार हुआ है। इसी संदर्भ में प्रधानमंत्री ने कहा कि वे नई नियुक्तियों के चेहरों पर खुशी और संतुष्टि स्पष्ट रूप से देख सकते हैं और ध्यान दिया कि इनमें से अधिकतर उम्मीदवार सामान्य पृष्ठभूमि से आते हैं और कई अपने परिवार में पांच पीढ़ियों में सरकारी नौकरी पाने वाले पहले व्यक्ति हैं। उन्होंने कहा, आपने भर्ती प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर बदलाव महसूस किया होगा। केंद्रीय नौकरियों में भर्ती प्रक्रिया अधिक सुव्यवस्थित और समयबद्ध हो गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस भर्ती प्रक्रिया की पारदर्शिता और गति आज सरकार के कामकाज के हर पहलू की विशेषता है।

हिमाचल में बर्फबारी से सड़कें बंद

330 ट्रांसफार्मर ठप होने से कई इलाके अंधेरे में

शिमला। हिमाचल प्रदेश के पहाड़ी इलाकों ने बर्फ की सफेद चादर ओड़ ली है। राज्य के पर्वतीय भागों में बीती रात से बर्फ गिर रही है, जिससे सामान्य जनजीवन प्रभावित हुआ है। लगातार हो रही बर्फबारी से बड़ी तादाद में सड़कें अवरूद्ध हो गई हैं। साथ ही सैकड़ों ट्रांसफार्मरों के बंद होने से कई इलाके अंधेरे में डूब गए हैं।

शिमला जिला के ऊपरी क्षेत्रों में बर्फबारी से कई प्रमुख व अंदरूनी सड़कें बंद हो गई हैं। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण की रिपोर्ट के अनुसार शुक्रवार दोपहर तक प्रदेश में तीन नेशनल हाईवे व 275 सड़कें बाधित हैं। लाहौल-स्पीति जिला में सर्वाधिक 177 सड़कें बंद हैं। शिमला जिला में 64, मंडी जिला में 13, किन्नौर में 09, चंबा में 05, कुल्लू में 03, कांगड़ा व सिरमौर में 02-02 सड़कें अवरूद्ध हैं। कुल्लू में दो और लाहौल-स्पीति में एक नेशलन हाईवे भी बाधित है। इसके अलावा 330 ट्रांसफार्मर भी ठप हैं। मंडी जिला में 147, लाहौल-स्पीति में 106, किन्नौर में 28, शिमला में 24 और कुल्लू में 22 ट्रांसफार्मर बंद हैं। लाहौल-स्पीति में दो और चंबा के भरमौर में एक पेयजल आपूर्ति भी प्रभावित हुई है। बता दें कि राज्य के 09 जिलों में बर्फबारी हो रही है। मौसम विभाग ने आगामी 24 घंटों में भी बारिश व बर्फबारी का दौर जारी रहने की संभावना जताई है।

संक्षिप्त समाचार

तृणमूल कांग्रेस नेता कुंतल घोष के आवासों पर छापे

कोलकाता। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल में रोजगार घोटाले में धनशोधन के आरोप में तृणमूल कांग्रेस के हुगली जिला यूथ विंग के नेता कुंतल घोष के आवासों पर छापेमारी शुरू की। आधिकारिक सूत्रों के मुताबिक ईडी अधिकारियों ने केंद्रीय सशस्त्र बलों की सहायता से उज्जल स्थित घोष के दो आवासों पर छापा मारा। घोष पर 19.5 करोड़ रुपये के धनशोधन का आरोप है। राज्य में संचालित निजी कॉलेजों और संस्थानों के संघ ने श्री घोष पर नौकरी के इच्छुक उम्मीदवारों से धन जुटाने का आरोप लगाया था। इससे पहले, सीबीआई ने शहर में अपने निजाम प्लेस कार्यालय में बुधवार और गुरुवार को लगातार दो दिनों तक घोष से पूछताछ की। जिसके एक दिन बाद ईडी ने उनके आवासों पर छापेमारी शुरू कर दी है। पूछताछ के दौरान घोष ने सीबीआई को बताया कि 2014 और 2021 के बीच राज्य भर में नौकरी चाहने वालों से कथित तौर पर एक सौ करोड़ से अधिक रुपये जुटाए गए थे।

धूत की अंतरिम जमानत याचिका मंजूर

मुंबई। बंबई उच्च न्यायालय ने शुक्रवार को आईसीआईसीआई बैंक-वीडियोकॉन ऋण धोखाधड़ी मामले में वीडियोकॉन समूह के संस्थापक वेणुगोपाल धूत की अंतरिम जमानत याचिका को मंजूरी दे दी। न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति पृथ्वीराज चव्हाण की पीठ ने संबंधित मामले पर सुनवाई के दौरान यह आदेश दिया। धूत ने भारत के संविधान के अनुच्छेद 226 और 227 के तहत अपनी याचिका में विशेष सीबीआई अदालत के 26, 28 और 29 दिसंबर- 2022 के रिमांड आदेशों को रद्द करने की मांग की है तथा उच्च न्यायालय से अपनी गिरफ्तारी को दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 41 और 41ए तथा भारत के संविधान के अनुच्छेद 14, 19(1)(डी) और 21 का घोर उल्लंघन घोषित किये जाने का अनुरोध किया है।

आर्थिक अपराधों में कमी के लिए लोगों को जागरूक करें सीए : मिश्र

जयपुर। राजस्थान के राज्यपाल कलराज मिश्र ने कहा है कि चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आमजन को आर्थिक, व्यावसायिक एवं कराधान संबंधी नियम- कानूनों के प्रति जागरूक करने का कार्य करें ताकि आर्थिक अपराधों और भ्रष्टाचार के मामलों में कमी आ सके। श्री मिश्र शुक्रवार को बिड़ला ऑडिटोरियम में द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया की राष्ट्रीय कांफ्रेंस श्रेयान-2023 के उद्घाटन समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि चार्टर्ड एकाउन्टेंसी ऐसा सम्मानित और प्रतिष्ठित पेशा है, जो सही मायने मे अर्थव्यवस्था की रीढ है।

उन्होंने कहा कि सीए पेशेवर प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष कर नियोजन, लेखा, अंकेक्षण आदि विशिष्ट कार्यों को प्रभावी ढंग से पूरा कर देश के आर्थिक विकास में निरंतर योगदान कर रहे हैं। राज्यपाल ने कहा कि सीए छोटे-बड़े व्यावसायिक प्रतिष्ठानों, संस्थाओं और व्यक्तियों की आर्थिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों का बारीकी से अंकेक्षण कर उन्हें कानून की पालना के लिए तो प्रेरित करते ही हैं, साथ ही देश के अर्थ तंत्र को दुरस्त रखने में भी अपनी भूमिका निभाते हैं। उन्होंने सीए पेशेवरों से आह्वान किया कि वे अपने-अपने क्षेत्रों में धन के पारदर्शी ढंग से जनहित समुचित उपयोग को सुनिश्चित करने के लिए कार्य करें। राज्यपाल ने कहा कि देश इस वर्ष जी-20 समूह की अध्यक्षता कर रहा है और आर्थिक महाशक्ति बनने की ओर मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। ऐसे समय में प्रत्यक्ष कर नियोजन, जीएसटी अनुपालना एवं ऑडिट सहित वित्तीय प्रबंधन के विभिन्न आयामों में सूचना प्रौद्योगिकी और आधुनिक तकनीकों का अधिकाधिक उपयोग कर इन्हें आसान बनाने के लिए भी सीए पेशेवर प्रयास करें। उन्होंने कहा कि सीएसआर गतिविधियों के तहत शिक्षा के प्रसार के लिए भी चार्टर्ड एकाउंटेंट्स आगे आएं। कार्यक्रम में कांफ्रेंस निदेशक प्रकाश शर्मा ने बताया कि आईसीएआई अब नई शिक्षा नीति के अंतर्गत वाणिज्य एवं लेखा के स्कूल स्तरीय पाठ्यक्रमों को अद्यतन करने के लिए सुझाव दे रहा है।

एअर इंडिया पर 30 लाख जुर्माना, पायलट 3 महीने के लिए सस्पेंड

नई दिल्ली। एअर इंडिया की फ्लाइट में हुए पेशाब कांड में एयरलाइंस पर 30 लाख का जुमार्ना लगाया है। न्यूज एजेंसी अठक के मुताबिक, पायलट का लाइसेंस 3 महीने के लिए सस्पेंड कर दिया है। इस बीच आरोपी शंकर मिश्रा के वकील ने कहा कि उनके मुअक्किल पर लगाया गया 4 महीने का बैन गलत है। दरअसल, इस मामले की जांच के लिए एअर इंडिया ने एक कमेटी बनाई थी, जिसने शंकर के एयरलाइंस में ट्रैवल करने पर 4 महीने के लिए बैन लगा दिया था। आरोपी शंकर मिश्रा के वकील अक्षत बाजपेई ने एयरलाइंस के इस फैसले पर नाराजगी जताई है। अक्षत ने कहा कि उनके मुअक्किल शंकर कमेटी के फैसले से असहमत है। हम इसके खिलाफ एक्शन लेंगे। जांच कमेटी ने गलती से मान लिया कि बिजनेस क्लास में सीट 9 थी, जबकि क्राफ्ट के बिजनेस क्लास में कोई सीट 9 ही नहीं है। फ्लाइट में सिर्फ 9 और 9 सीट हैं। हो सकता है कि समिति ने उस सीट की कल्पना की हो और ये मान लिया हो कि हमारे मुअक्किल ने वहां पेशाब की। उधर, आरोपी शंकर मिश्रा के पिता श्याम मिश्रा भी बेटे पर लगे आरोपों पर सफाई दे चुके हैं। उन्होंने कहा था कि मेरे बेटे पर लगाए गए सभी आरोप फर्जी हैं। पीड़ित ने मुआवजा मांगा था, हमने वो भी दे दिया, फिर पता नहीं क्या हुआ। शायद महिला की मांग कुछ और रही होगी जो पूरी नहीं हो सकी, इसीलिए वह नाराज है। मुमकिन है कि उसे ब्लैकमेल करने के लिए ऐसा किया जा रहा हो।

नड्डा और सीएम योगी ने कालभैरव और काशी विश्वनाथ मंदिर में लगाई हाजिरी

वाराणसी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अपने दो दिवसीय वाराणसी दौरे के अन्तिम दिन शुक्रवार को काशी के कोतवाल बाबा कालभैरव और बाबा विश्वनाथ के दरबार में विधिवत हाजिरी लगाई। बाबा कालभैरव के दरबार में दर्शन पूजन के बाद भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री ने रास्ते में रूक कर बटुक सरदार के चाय की दुकान पर खड़े होकर बनारसी अंदाज में चाय मांगी और कुल्हण में चाय की चुस्कियां लीं। चाय पीने के बाद दुकानदार की तारीफ कर कहा कि चाय अच्छी बनी है। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ता हर-हर महादेव के उद्घोष के साथ भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री का अभिवादन भी करते रहे। इसके पहले सर्किट हाउस से भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री वाहनों के काफिले से मंदिर में दर्शन पूजन के लिए रवाना हुए। लहुराबीर चौराहे पर एवं मैदागिन (मैदागिन-चौक मार्ग पर टाउनहाल मैदान के मुख्य द्वार के सामने) पर काफिला के पहुंचते ही भाजपा कार्यकताओं ने शंख ध्वनि के साथ पुष्प वर्षा कर राष्ट्रीय अध्यक्ष का स्वागत किया। दर्शन पूजन के बाद भाजपा अध्यक्ष और मुख्यमंत्री पुलिस लाइन से हेलिकॉप्टर से गाजीपुर के लिए प्रस्थान

करेंगे। गाजीपुर में पौहारी बाबा आश्रम में दर्शन पूजन के बाद वहां आयोजित बूथ समिति की बैठक में दोनों नेता भाग लेंगे। इसके बाद गाजीपुर के बंसी बाजार स्थित नंद रेसीडेंसी में पूर्व सैनिकों के साथ संवाद और उनका सम्मान करेंगे। अपरान्ह में आईटीआई मैदान, गाजीपुर में आयोजित जनसभा को संबोधित करेंगे। भाजपा काशी क्षेत्र के मीडिया प्रभारी नवरतन राठी ने बताया कि पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा अपराह्न तीन बजे गाजीपुर के जिला भाजपा कार्यालय पहुंचेंगे। वहां वह लोकसभा संचालन समिति एवं जिला पदाधिकारीयों की बैठक में भाग लेंगे। इसके बाद अपरान्ह 3.30 बजे गाजीपुर हैलीपैड से रवाना होकर चार बजे बाबतपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। जहां से वे नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

भारत जोड़ो यात्रा बारिश में जारी, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

कठुआ। शुक्रवार की सुबह करीब 8 बजे राहुल गांधी की भारत जोड़ो यात्रा जम्मू कश्मीर के जिला कठुआ के हटली मोड़ से शुरू हुई। कड़ी सुरक्षा के बीच यात्रा कठुआ के हटली मोड़ से लेकर चढ़वाल तक जाएगी। करीब 25 किलोमीटर की यात्रा के दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग के दोनों तरफ आवाजाही बंद कर दी गई है। जैसे-जैसे यात्रा आगे बढ़ती जा रही है वैसे-वैसे पीछे से राष्ट्रीय राजमार्ग को खोल दिया जा रहा है।

वहीं यात्रा के दौरान बारिश भी शुरू हुई लेकिन लोगों का उत्साह कम नहीं हुआ। बारिश के बीच भी यात्रा लगातार जारी रही। राहुल गांधी के साथ शिव सेना सांसद संजय राउत, जेकेपीसीसी सहित हजारों समर्थक बारिश में उत्साहपूर्वक दिखे। भारत जोड़ो भारत जोड़ो, राहुल गांधी आगे बढ़ो हम तुम्हारे साथ हैं, राहुल गांधी संघर्ष करो हम तुम्हारे साथ हैं जैसे नारों से जम्मू पठानकोट राष्ट्रीय राजमार्ग गूंज उठा। यात्रा में बारिश के दौरान राहुल गांधी ने रेनकोट पहना था, करीब 6 किलोमीटर चलने के बाद राहुल गांधी ने फिर से अपना रेनकोट खोल दिया और वापस टी-शर्ट में यात्रा करते नजर आए। इलाके का तापमान 10 डिग्री सेल्सियस के करीब है। परमवीर चक्र विजेता बाना सिंह भी भारत जोड़ो यात्रा में शामिल होने के लिए पहुंचे। उन्होंने राहुल गांधी के साथ पैदल चलकर लंबी वार्ता की। बरनोटी से पहले पूर्व एमएलसी ठाकुर बलबीर सिंह को भी राहुल से मुलाकात के लिए सुरक्षा घेरे के भीतर बुलाया गया है। इससे पहले जगह जगह कुछ लोगों से उन्होंने मुलाकात की है। सुबह के समय शिव सेना नेता और सांसद संजय राउत भी पैदल यात्रा में शामिल हुए। इससे पहले वीरवार को 15 किलोमीटर की दूरी में राहुल की ड्रेस तो नहीं बदली, लेकिन पठानकोट से जम्मू-कश्मीर पहुंचते राहुल गांधी की भाषा बदल गई। पठानकोट में उन्होंने आप व केजरीवाल को निशाने पर रखा तो जम्मू-कश्मीर की सीमा पर भाजपा व आरएसएस को। अमूमन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर हमलावर रहने वाले राहुल ने प्रधानमंत्री का नाम तक नहीं लिया। भाजपा व आरएसएस तक ही सिमटे रहे। इतना ही नहीं उन्होंने न तो अपने पुराने साथी गुलाम नबी आजाद और न ही उनकी पार्टी का नाम लिया। उन्होंने प्रदेश के लोगों को अपने साथ जोड़ने के लिए पूर्वजों के जम्मू-कश्मीर का ही होने का कार्ड चलते हुए यह बताने की कोशिश की कि उनकी आज घर वापसी हो रही है। उन्हें यहां के लोगों के दुख दर्द का पता है। उन्होंने अपने भाषण में बेरोजगारी, महंगाई का मुद्दा उठाकर आम लोगों को साथ लाने की कोशिश की।

किसान, मजदूरों व छोटे व्यापारियों का दूसरा हिंदुस्तान बनाने की बात कहकर इन वर्गों से भी सहानुभूति बटोरने व उनका साथ पाने का प्रयास किया। राहुल ने युवाओं को अपने साथ जोड़ने की भरपूर कोशिश की। उन्होंने बेरोजगारी का मुद्दा जोर शोर से उठाकर यह बताने का प्रयास किया कि अब नौकरियों पर सामान्य लोगों का नहीं बल्कि कुछ चुनिंदा का हक है। आम परिवारों के बच्चों के लिए मजदूरी ही एकमात्र रास्ता बच गया है। राहुल का पूरा प्रयास रहा कि समाज के सभी वर्गों को साथ लेकर अपने मकसद को कामयाब बनाया जाए। खासकर जम्मू-कश्मीर में नफरत व हिंसा के माहौल का जिक्र कर उन्होंने यह बताने की कोशिश की कि हिंदू-मुस्लिम सब एक हैं।

जोशीमठ में भारी बर्फबारी, मकानों को गिराने का काम रुका

जोशीमठ पिछले कई दिनों से भू-धंसाव के खतरे से जूझ रहे जोशीमठ में शुक्रवार सुबह सीजन की पहली बर्फबारी हुई। ताजा बर्फबारी ने जोशीमठ के बाशिंदों की दहशत बढ़ा दी है। बर्फबारी के चलते खतरनाक घरों

को गिराने का काम शुक्रवार को रोक दिया गया है। मौसम विभाग ने 23 और 24 जनवरी को भी जोशीमठ, चमोली और पिथौरागढ़ में बारिश और बर्फबारी की संभावना जताई है। उधर राष्ट्रीय जल विज्ञान संस्थान (ठक्ल्ह) की प्राइमरी टेस्ट रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तराखंड में भू-धंसाव से प्रभावित जोशीमठ की जेपी कॉलोनी की दरारों से निकलने वाला पानी तपोवन की ठळढउ की सुरंग के पानी से अलग है। बारिश और बर्फबारी के चलते होटल और खतरनाक घरों को गिराने का काम रोक दिया गया है। डिजास्टर मैनेजमेंट सेक्रेटरी डॉ. रंजीत कुमार सिन्हा के मुताबिक पिछले 3 दिनों से दरार में कोई बढ़ोतरी नहीं हुई है। हालांकि जेपी कॉलोनी के पास एक भूमिगत चैनल से पानी का डिस्चार्ज फिर से बढ़कर 150 लीटर प्रति मिनट हो गया है। 849 घरों में दरारें रिकॉर्ड हुई हैं, जबकि 259 प्रभावित परिवारों को अस्थायी राहत केंद्रों में भेज दिया गया है।

आपदा प्रबंधन सचिव रंजीत कुमार सिन्हा ने दोनों जगहों के पानी के नमूनों का अध्ययन करने वाली प्राइमरी रिपोर्ट का हवाला देते हुए कहा कि उनके प्रोफाइल अलग-अलग हैं। उन्होंने कहा- "हालांकि, यह सिर्फ एक प्राइमरी रिपोर्ट है जिसका कोई निष्कर्ष नहीं निकाला जाना चाहिए।" यह रिपोर्ट इसलिए भी मायने रखती है क्योंकि जोशीमठ के धंसने की वजह ठळढउ की तपोवन-विष्णुगढ़ पनबिजली परियोजना को बताया गया था। आरोप ये भी थे कि 2 जनवरी को प्रोजेक्ट का भूमिगत चैनल फट गया, जिससे लगातार पानी बहता रहा है।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

संपादकीय

अदालत और सरकार की मुठभेड़

(डॉ. वेदप्रताप वैदिक)

हमारे सर्वोच्च न्यायालय और केंद्र सरकार के बीच जजों की नियुक्ति पर जो खींचातानी चल रही थी वह खुले-आम बाजार में आ गई है। सर्वोच्च न्यायालय के चयन-मंडल ने सरकार को जो नाम भेजे थे उनमें से कुछ पर सरकार ने कई आपत्तियाँ की थीं। इन आपत्तियों को प्रायः गोपनीय माना जाता है लेकिन सर्वोच्च न्यायालय ने उन्हें जग-जाहिर कर दिया है। इस कदम से यह भी पता चलता है कि भारत में किसी भी उच्च पद पर नियुक्त होनेवाले जजों की नियुक्ति में कितनी सावधानी से काम लिया जाता है। इस बार यह सावधानी जरा जरूरत से ज्यादा दिखाई पड़ी है क्योंकि एक जज को इसलिए नियुक्त नहीं किया जा रहा है कि वह समलैंगिक है और दूसरे जज को इसलिए कि उसने ट्वीट पर कई बार सरकारी नीतियों का दो-टूक विरोध किया है। जहां तक दूसरे जज का सवाल है सरकार की आपत्ति से सहमत होना ज़रा मुश्किल है। क्या सोमशेखर सुंदरेशन ने वे सरकार विरोधी ट्वीट जज रहते हुए किए थे? नहीं बिल्कुल नहीं। वे जज थे ही नहीं। तब वे वकील थे और अब भी वकील हैं। यदि एक वकील किसी भी मुद्दे पर खुलकर अपनी राय जाहिर नहीं करेगा तो कौन करेगा? भारतीय नागरिक के नाते उसे भी अभिव्यक्ति की पूरी आजादी है। हाँ अब जज के नाते उन्हें अपनी अभिव्यक्ति पर संयम रखना होगा। सरकार का डर स्वाभाविक है लेकिन उनकी नियुक्ति के पहले उन्हें चेतावनी दी जा सकती है। उनकी नियुक्ति के विरोध से सरकार अपनी ही छवि खराब कर रही है। क्या इसका संदेश यह नहीं निकल रहा है कि सरकार सभी पदों पर 'जी हुजूरों' को चाहती है? दूसरे जज पर यह आपत्ति है कि वह समलैंगिक है और उसका सहवासी एक स्विस नागरिक है। समलैंगिकता न्याय-प्रक्रिया में बाधक कैसे है यह कोई बताए? दुनिया के कई राजा-महाराजा और प्रधानमंत्री और राष्ट्रपति समलैंगिक रहे हैं। जहां तक उस जज के सहवासी का विदेशी होना है कौन नहीं जानता कि भारत के एक प्रधानमंत्री एक राष्ट्रपति एक विदेश मंत्री और कई अन्य अत्यंत महत्वपूर्ण लोगों की पत्नियां या पति विदेशी रहे हैं। यह तो मैं अपनी व्यक्तिगत जानकारी के आधार पर कह रहा हूं लेकिन यदि हम खोजने चलें तो ऐसे सैकड़ों मामले सामने आ सकते हैं। यह ठीक है कि ऐसा होना कोई आदर्श स्थिति नहीं है लेकिन आज की दुनिया इतनी छोटी हो चुकी है कि इस तरह के मामले बढ़ते ही चले जाएंगे। भारतीय मूल के लोग आजकल दुनिया के लगभग दर्जन भर देशों में उनके सर्वोच्च पदों पर प्रतिष्ठित हैं या नहीं? बेहतर तो यही होगा कि चयन-मंडल (कालेजियम) का स्वरूप ही बदला जाए और अगर यह फिलहाल नहीं बदलता है तो सरकार और सर्वोच्च न्यायालय में चल रही मुठभेड़ तुरंत रूके। वरना दोनों की सही कार्रवाइयों को भी जनता मुठभेड़ का चश्मा चढ़ाकर देखेगी।

हिमाचल में भी हैं जोशीमठ जैसी मुश्किलें

हिमालय पर्वतमाला की गोदी में कोई पांच करोड़ लोग सदियों से रह रहे हैं। चूंकि यह क्षेत्र अधिकांश भारत के लिए पानी उपलब्ध करवाने वाली नदियों का उद्गम है, साथ ही यहां के ग्लेशियर धरती के गर्म होने को नियंत्रित करते हैं, सो जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से यह सबसे अधिक संवेदनशील है। कुछ साल पहले नीति आयोग ने पहाड़ों में पर्यावरण के अनुकूल और प्रभावी लागत पर्यटन के विकास के अध्ययन की योजना बनाई थी। यह काम इंडियन हिमालयन सेंट्रल यूनिवर्सिटी कंसोर्टियम द्वारा किया जाना था ।

पंकज चतुर्वेदी

अब जब जोशीमठ संकटग्रस्त है तो एक साथ कई सरकारी और निजी संस्थाएं सक्रिय हैं, आज केवल विस्थापन ही एकमात्र हल दिख रहा है। यह कोई एक दिन में तो हुआ नहीं, बहुत-सी सरकारी रिपोर्ट्स बेनाम पड़ी रहीं जो बीते एक दशक से इस खतरे की तरफ आगाह कर रही थीं। आज यह समझना जरूरी है कि आज नहीं तो कल समूचे हिमालय पर्वतमाला में इस तरह की त्रासदी आना अवश्यंभावी है। भारत में हिमालयी क्षेत्र का फैलाव 13 राज्यों व केंद्र शासित प्रदेशों में है, जो लगभग 2500 किलोमीटर है। हिमालय पर्वतमाला की गोदी में कोई पांच करोड़ लोग सदियों से रह रहे हैं। चूंकि यह क्षेत्र अधिकांश भारत के लिए पानी उपलब्ध करवाने वाली नदियों का उद्गम है, साथ ही यहां के ग्लेशियर धरती के गर्म होने को नियंत्रित करते हैं, सो जलवायु परिवर्तन की दृष्टि से यह सबसे अधिक संवेदनशील है। कुछ साल पहले नीति आयोग ने पहाड़ों में पर्यावरण के अनुकूल और प्रभावी लागत पर्यटन के विकास के अध्ययन की योजना बनाई थी। यह काम इंडियन हिमालयन सेंट्रल यूनिवर्सिटी कंसोर्टियम द्वारा किया जाना था । इस अध्ययन के पांच प्रमुख बिन्दुओं में पहाड़ से पलायन को रोकने के लिए आजीविका के अवसर, जल संरक्षण और संचयन रणनीतियों को भी शामिल किया गया था। जून, 2022 में गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा जारी रिपोर्ट 'एनवायर्नमेंटल एसेसमेन्ट ऑफ टूरिज्म इन द इंडियन हिमालयन रीजन' में कड़े शब्दों मे कहा गया था कि हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते पर्यटन के चलते हिल स्टेशनों पर दबाव बढ़ रहा है। इसके साथ ही पर्यटन के लिए जिस तरह से इस क्षेत्र में भूमि उपयोग में बदलाव आ रहा है वो अपने आप में एक बड़ी समस्या है। जंगलों का बढ़ता विनाश भी इस क्षेत्र के इकोसिस्टम पर व्यापक असर डाल रहा है। यह रिपोर्ट नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल के आदेश पर पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्रालय को भेजी गई थी। इस रिपोर्ट में लद्दाख में संरक्षित क्षेत्रों जैसे हेमिस नेशनल पार्क, चांगथांग कोल्ड डेजर्ट सेंक्चुअरी और काराकोरम सेंक्चुअरी पर संकट जताया गया था। साथ ही पर्यटकों के वाहनों और इसके लिए बन रही सड़कों के कारण वन्यजीवों के आवास नष्ट होने और जैवविविधता पर विपरीत असर की बात भी कही गई थी। मनाली में किए एक अध्ययन से पता चला है कि 1989 में वहां जो 4.7 फीसदी निर्मित क्षेत्र था वो 2012 में बढ़कर 15.7 फीसदी हो गया है। आज यह आंकड़ा 25 फीसदी पार है। इसी तरह 1980 से 2023 के बीच वहां पर्यटकों की संख्या में 5600 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई है। जिसका सीधा असर इस क्षेत्र के इकोसिस्टम पर पड़ रहा है। इतने लोगों के लिए होटलों की संख्या भी बढ़ी तो पानी की मांग और गंदे पानी के निस्तार का वजन भी बढ़ा, आज मनाली भी धंसने के कगार पर है- कारण वही जोशीमठ वाला- धरती पर अत्यधिक दबाव और पानी के कारण भूगर्भ में कटाव। इस रिपोर्ट में कश्मीर क्षेत्र में भी पर्यटकों की आवाजाही, वायु गुणवत्ता और ठोस कचरे के प्रबंधन पर चिंता जताते हुये अमरनाथ और माता वैष्णो देवी की यात्रा करने वालों की बढ़ती संख्या के मद्देनजर कूड़ा प्रबंधन पर ध्यान देने की बात कही गई थी। रिपोर्ट ने स्पष्ट तौर पर कहा है कि जहां इस क्षेत्र में स्थानीय लोगों के स्थाई रोजगार को ध्यान में रखना जरूरी है, वहीं बेलगाम पर्यटन के चलते इस क्षेत्र में पर्यावरण और पारिस्थितिकी तंत्र को होते नुकसान को भी रोका जाये। हिमाचल प्रदेश को सबसे पसंदीदा पर्यटन स्थल माना जाता है और यहां इसके लिए जम कर सड़कें, होटल बनाए जा रहे हैं, साथ ही झरनों के बहाव के इस्तेमाल से बिजली बनाने की कई बड़ी परियोजनाएं भी यहां अब संकट का कारक बन रही हैं। यहां भूस्खलन की दृष्टि से किन्नौर जिला को सबसे खतरनाक माना जाता है। बीते साल भी किन्नौर के बटसेरी और न्यूगलसरी में दो हादसों में ही 38 से ज्यादा लोगों की जान चली गई थी। इसके बाद किन्नौर जिला में भूस्खलन को लेकर भारतीय भूगर्भ सर्वेक्षण के विशेषज्ञों के साथ-साथ आईआईटी, मंडी व रुड़की के विशेषज्ञों ने अध्ययन किया है। राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने विभिन्न एजेंसियों के माध्यम से सर्वेक्षण कर भूस्खलन संभावित 675 स्थल चिन्हित किए हैं। इस साल बरसात में इस छोटे से राज्य में 131 करोड़ की सरकारी व गैर सरकारी संपत्ति तबाह हुई जिसमें सबसे ज्यादा सड़क और पुलिया थीं । राज्य का गौरव कहे जाने वाली शिमला की खिलौना रेल भी 4 अगस्त, 2022 को बाल-बाल बची थी। सोलन जिले के कुमारहट्टी के पास पट्टा मोड़ में भारी बारिश के कारण भूस्खलन में कालका-शिमला यूनेस्को विश्व धरोहर ट्रैक कुछ घंटों के लिए अवरुद्ध हो गया। हिमाचल प्रदेश में जलवायु परिवर्तन के कुप्रभाव के चलते बादलों के फटने, अत्यधिक बारिश, बाढ़ और भूस्खलन के कारण प्राकृतिक आपदाएं बढ़ रही हैं। उत्तराखंड में हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल यूनिवर्सिटी में भूविज्ञान विभाग के वाईपी सुंदरियाल के अनुसार, 'उच्च हिमालयी क्षेत्र जलवायु और पारिस्थितिक रूप से अत्यधिक संवेदनशील हैं। ऐसे में इन क्षेत्रों में मेगा हाइड्रो-प्रोजेक्ट्स के निर्माण से बचा जाना चाहिए या फिर उनकी क्षमता कम होनी चाहिए।' उन्होंने कहा, 'हिमालयी क्षेत्रों में सड़कों का निर्माण भी वैज्ञानिक तकनीकों से किया जाना चाहिए। इनमें अच्छी ढलान, रिटेनिंग वॉल और रॉक बोल्टिंग प्रमुख है, लेकिन ऐसा नहीं हो रहा है।' एक बात और समझनी होगी कि 'वर्तमान में बारिश का तरीका बदल रहा है और गर्मियों में तापमान सामान्य से कहीं अधिक पर पहुंच रहा है। ऐसे में मेगा जलविद्युत परियोजनाओं को बढ़ावा देने की राज्य की नीति को एक नाजुक और पर्यावरण के प्रति संवेदनशील क्षेत्र में लागू किया जा रहा है। सतलुज बेसिन में 140 से अधिक जलविद्युत परियोजनाएं आवंटित की गई हैं। इससे चमोली और केदारनाथ जैसी आपदाएं आने की आशा है।' चाहे उत्तराखंड हो या पूर्वोत्तर राज्य, यह समझना होगा कि हिमालयी क्षेत्रों में भूस्खलन से बचने के लिए बांधों और सुरंगों के निर्माण का रोकना होगा।

आज का राशीफल

मेष जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुपए पैसे के लेन-देन में सावधानी अपेक्षित है। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

वृषभ आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

मिथुन आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। दूसरों से सहयोग लेने में आप सफल रहेंगे। ईश्वर के प्रति आस्था बढ़ेगी।

कर्क राजनैतिक महात्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। रुका हुआ कार्य सम्पन्न होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

सिंह पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। प्रतियोगी परीक्षाओं में सफलता के योग हैं।

कन्या व्यावसायिक योजना सफल होगी। आर्थिक दिशा में किए गए प्रयासों में सफलता मिलेगी। वाणी की सौम्यता बनाकर रखना आवश्यक है। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा।

तुला व्यावसायिक व पारिवारिक समस्याएं रहेंगी। अधीनस्थ कर्मचारी से तनाव मिलेगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। आमोद-प्रमोद के साधनों में वृद्धि होगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा।

वृश्चिक शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। विरोधियों का पराभव होगा। मकान सम्पत्ति व वाहन की दिशा में किया गया प्रयास सफल होगा। प्रणय संबंध प्रगाढ़ होंगे।

धनु पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है।

मकर रोजी रोजगार की दिशा में सफलता मिलेगी। नए अनुबन्ध प्राप्त होंगे। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। कार्यक्षेत्र में कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। वाणी पर नियंत्रण रखने की आवश्यकता है।

कुम्भ दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। मन प्रसन्न रहेगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

मीन गृहोपयोगी वस्तुओं में वृद्धि होगी। जीवन साथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। किसी अभिन्न मित्र से मिलाप होगा। भारी व्यय का सामना करना पड़ेगा। व्यर्थ के विवाद में न पड़ें।

समाज में गहराती अंधविश्वास की जड़ें

(लेखिका - निर्मल रानी)

पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री ने जय जवान-जय किसान जैसा लोकप्रिय नारा देश को दिया था उस नारे में पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई ने जय विज्ञान और आगे चलकर वर्तमान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जय अनुसंधान शब्द जोड़कर देश और दुनिया को यह संदेश देने की कोशिश कि कि भारत वर्ष केवल एक कृषि प्रधान व उच्च सैन्य क्षमता रखने वाला राष्ट्र ही नहीं बल्कि अब यह विज्ञान व अनुसंधान संपन्न देश भी है। इसरो व डी आर डी ओ सहित देश के अनेक वैज्ञानिक व अन्य विभिन्न अनुसंधान केंद्रों से सम्बंधित अनेक संस्थानों ने इसी विज्ञान व अनुसंधान के क्षेत्र में अनेक गौरव पूर्ण कार्य भी किये हैं। परन्तु अफ़सोस इस बात का है कि इसी समाज का एक बड़ा वर्ग आज भी तर्कशीलता से दूर रहकर अंधविश्वास के चंगुल में बुरी तरह उलझा हुआ है। केवल अनपढ़ अशिक्षित या ग़रीब ही नहीं बल्कि स्वयं को पढ़े लिखे व शिक्षित बताने वाले यहाँ तक कि नेता व अधिकारी तक इसी अंधविश्वास का शिकार हैं। और इन्हीं अंधविश्वासी लोगों के बल पर ही पूरे देश में लाखों निठल्ले लोग तरह तरह के झाड़ फूँक ज्योतिष भविष्य राशिफल आदि अनेक तरीक़ों से अपना जीविकोपार्जन कर रहे हैं। बिल्ली रास्ता काटे तो रुक जाओबुरी नज़र से बचने के लिए नींबू और हरी मिर्च लटकाओ किसी की शव यात्रा में शामिल होने के बाद स्नान करो सूर्यास्त के बाद अपने नाखून न काटोसूर्यास्त के समय झाड़ू न दें गाय के गोबर से दीवार व फ़र्श पर लेप करेंघर से बाहर निकलने से पहले दही और चीनी या गुड़ खायें फ़लां फ़लां दिन अपने बाल न धोयेंग्रहण के समय बाहर न निकलेंफ़लां दिन यात्रा शुभ तो फ़लां फ़लां दिन अशुभकाली गाय काले कुत्ते से जुड़ी अनेक अतार्किक बातें और आजकल लड़कियों का पैरों में काला धागा बाँधने जैसा पाखण्ड हमारे समाज में अपनी जड़ें बहुत गहरी कर चुका है। और जब इसी तरह के अंधविश्वास इंसान के मस्तिष्क में विश्वास के रूप में स्थापित हो जाते हैं फिर तमाम तरह की अनहोनी घटनायें भी सामने आती हैं। यहाँ तक की हमारे देश में अनेकानेक हादसे ऐसे भी हो चुके हैं कि इन्हीं चक्करों में पड़कर कहीं किसी पूरे परिवार ने आत्म हत्या कर डालीकहीं किसी ने अपने बच्चे की बलि दे दी तो कहीं अपने उद्धार के लिये दूसरे के बच्चे की बलि ले ली। पिछले दिनों नेताओं व उच्चाधिकारियों के हवाले से राजस्थान के जयपुर जेल में चल रहा एक अंधविश्वासपूर्ण तमाशा सामने आया। पता यह चला कि प्रदेश के अनेक नेता व अधिकारी जेल सुप्रीटेंडेंट से निवेदन कर जेल का खाना या तो जेल परिसर में ही बैठकर खाते हैं या कई लोग जिन्हें जेल में बैठकर खाते शर्म आती है वे जेल की बनी दाल रोटी सब्ज़ी पैक कराकर घर ले जाकर खाते हैं। ऐसा वे इसलिये करते हैं क्योंकि पंडित या ज्योतिषी ने उन्हें बताया है कि जेल की रोटी पहले से ही खा लेने से उनका जेल योग टल जायेगा। ज़रा सोचिये कि यह जेल से बचने के उपाय हैं या अच्छा आचरण करना आपराधिक व अनैतिक गतिविधियों से दूर रहना जेल जाने से बचने का वास्तविक एवं स्थाई उपाय है ? परन्तु क्या अधिकारी तो क्या नेता दोनों की ही अक़्ल पर पर्दा पड़ा है जो उन्हें आचरण सुधारने हेतु प्रेरित करने के बजाय जेल जाने से बचने का यह शार्ट कट रास्ता अपनाने के लिये बाध्य करता है। इसी प्रकार पानीपत का एक पुलिस अधिकारी एक चोर की तलाश में मध्य प्रदेश के ग्वालियर स्थित पंडोखर में किसी हनुमान भक्त बाबा के पास जा पहुँचा और हनुमान जी से चोर को पकड़वाने में सहायता की गुहार करने लगा। पुलिस एस आई का इस संबंध में बाबा से किया गया रोचक परन्तु पूर्णतयः अवैज्ञानिक वार्तालाप किसी बाबा भक्त ने ही रिकार्ड कर उसे वायरल कर दिया। जिससे यह पता चल सका कि अब पुलिस भी अपने प्रशिक्षित माध्यमों से नहीं बल्कि बाबापंडितज्योतिष व भगवान के भरोसे अपराधियों की तलाश पर ज्यादा भरोसा रखने लगी है। और इसी अंधविश्वास का पालन पोषण व इसे प्रचारित करने वाले लाखों अनपढ़ व निठल्ले क़िस्म के लोग समाज में दहशत फैलाकर तथाकथित प्रबुद्धजनों को भी अंध्विश्वास के अपने जाल में फंसा लेते हैं और अपनी रोज़ी रोटी चलाते हैं।

बसोंरेल गाड़ियों के अतिरिक्त अनेक सार्वजनिक स्थलों पर बंगाली बाबातांत्रिककाला जादूइंद्रजाल आदि कई तरह के भ्रमित करने वाले पोस्टर व पंप्लेट दीवारों पर चिपके दिखाई दे जाते हैं। इन सभी में भ्रामक प्रचार किये जाते हैं। सड़कों के किनारे फ़ुट पाथ पर बैठे लोग कभी किसी का हाथ देखकर तो कभी तोते की चोंच से पहले से ही भविष्य फल लिखा लिफ़ाफ़ा उठवाकर लोगों के भाग्य बताते फिरते हैं। भले ही इन भविष्य वक्ताओं को स्वयं अपने भविष्य के बारे में कुछ पता नहीं होता। हमारे देश के विभिन्न राज्यों में भूत प्रेतचुड़ैल जैसी प्रथाओं की जड़ें भी इसी अंधविश्वास में छुपी हुई हैं। आए दिन कोई न कोई व्यक्ति विशेषकर कोई ग़रीब असहाय महिला गांव के दबंगों के जुल्म का शिकार होकर चुड़ैल या भूतनी घोषित कर दी जाती है। और उसे चुड़ैल या भूतनी बताकर उसकी संपत्ति पर दबंगों का क़ब्ज़ा हो जाता है। सवाल यह है कि क्या जय जवान-जय किसान के नारों में जय विज्ञान व जय अनुसंधान शब्द जोड़ देने मात्र से भारत वैज्ञानिक सोच रखने वाला देश कहलाने लगेगा ?या इसके लिये वैज्ञानिक सोच को आत्मसात करना इसका अनुसरण करना व इसी के साथ अंधविश्वासों से मुक्ति पाना भी बेहद ज़रूरी है ? जब हम विकसित राष्ट्रों को इस तरह के अंधविश्वासों व पाखंडों से मुक्त होकर तरक़्क़ी करते देखते हैं उस समय तो हमें भी अंधविश्वासों से मुक्ति पाने की ज़रुरत तो ज़रूर महसूस होती है परन्तु जब हमारे देश का रक्षा मंत्री ही किसी नये लड़ाकू विमान के सामने बैठकर पूजा पाठ करता हैउसपर नींबू मिर्च लटकाता है और उसपर सिन्दूर से कुछ विशेष निशान अंकित करता है तो यह संदेह और मज़बूत हो जाता है कि जब सरकार में उच्च पदों पर बैठे लोग नेता अधिकारी ही स्वयं को अंधविश्वासों व पाखंडों से मुक्त नहीं कर पा रहे फिर आख़िर देश की आम विशेषकर अज्ञानी जनता समाज में गहराती अंधविश्वास की इन जड़ों से कैसे मुक्त हो सकती है ?

विचार मंथन

मतदान और मतगणना के बीच भारी अंतर- चुनाव आयोग की निष्पक्षता पर प्रश्न चिन्ह

(लेखक-सनत कुमार जैन)

केंद्रीय चुनाव आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव के लिए मतदान और मतगणना की तारीखों में 15 से 20 दिनों का अंतर रखना 2 या 3 राज्यों की विधानसभाओं के चुनाव एक साथ नहीं कराए जाने सेचुनाव आयोग की कार्यप्रणाली से आम लोगों में चुनाव आयोग को लेकर विश्वसनीयता कम होती जा रही है। राजनीतिक दल भी इसको लेकर समय-समय पर सवालिया निशान लगाते रहे हैं। सुप्रीम कोर्ट में भी चुनाव आयुक्तों की नियुक्ति को लेकर मामला लंबित है। केंद्रीय चुनाव आयोग ने 3 राज्यों के चुनाव की अधिसूचना जारी की है। त्रिपुरा में 16 फरवरी को मतदान होगा। मेघालय और नगालैंड में 27 फरवरी को मतदान होगा। तीनों राज्यों में मतों की गिनती 2 मार्च को होगी। कुछ महीने पहले गुजरात और हिमाचल के चुनाव हुए थे।उसमें हिमाचल प्रदेश में 12 नवंबर को मतदान हुआ था। परिणाम 8 दिसंबर को घोषित किए गए थे। मतदान और मतगणना के बीच 25 दिन से ज्यादा का समय रखा गया।गुजरात में 1 दिसंबर और 5 दिसंबर को 2 चरणों में मतदान हुआ। परिणाम 8 दिसंबर को घोषित किए गए। उस समय भी चुनाव आयोग द्वारा जो चुनाव कार्यक्रम घोषित किया गया था।उसको लेकर चुनाव आयोग के ऊपर प्रश्नचिन्ह लगे थे। उत्तर-पूर्व की त्रिपुरा मेघालय और नगालैंड में 60-60 सीटों की विधानसभा है। यह सभी सीमावर्ती राज्य हैं। इन राज्यों में सुरक्षा बल पर्याप्त संख्या में उपलब्ध रहता है। इसके बाद भी चुनाव आयोग को त्रिपुरा जैसे छोटे राज्य के चुनाव 16 फरवरी तथा मेघालय और नगालैंड जैसे छोटे राज्य के चुनाव 27 फरवरी को क्यों कराए जा रहे हैं। इतना अंतराल क्यों रखा गया ? इन तीन छोटे राज्यों के चुनाव की सुरक्षा व्यवस्था के लिए पर्याप्त संख्या में सुरक्षा बल इन्हीं राज्यों में या आसपास में बड़ी संख्या में उपलब्ध है। राज्यों के चुनाव में इतना लंबा अंतराल में चुनाव करानाचुनाव आयोग की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। संचार माध्यम और मीडिया का पिछले कई दशकों में तेजी के साथ विकास हुआ है। सड़क परिवहन और गांव से लेकर शहर मुख्यालय तक का सड़क मार्ग विकसित हो चुका है। उसके बाद भी इतने लंबे समय तक चुनाव प्रक्रिया चलाना सभी को आश्चर्य में डालता है। हिमाचल में चुनाव होने के बाद जब गुजरात के चुनाव हो रहे थे। मीडिया द्वारा जो भी कवर किया जा रहा था। वह सारे देश में देखा जा रहा था। मीडिया में भी 90 फ़ीसदी एक दल विशेष को फायदा पहुंचाने के लिए कार्यक्रम बनाए जाते हैं। 10 फ़ीसदी में अन्य दलों को इलेक्ट्रॉनिक मीडिया कवर करता है। गुजरात में ही 2 चरणों में चुनाव कराए गए। कहने को प्रथम चरण के चुनाव में मतदान के 24 घंटे पहले प्रचार अभियान पर रोक लगा दी जाती है। लेकिन दूसरे चरण के चुनाव प्रचार का असर मतदान होने के तक प्रथम चरण के मतदान पर पर भी पड़ता है। जो चुनाव आचार संहिता का उल्लंघन है। चुनाव आयोग का सबसे बेहतर कार्यकाल टीएन सेशन का माना जाता है। जिसमें मीडिया को भी चुनाव आयोग ने नियंत्रित करके रखा था। सभी राजनीतिक दलों को पर्याप्त समय मीडिया में दिया जाना अनिवार्य कर दिया गया था। पेड मीडिया या इस तरीके के कार्यक्रम जो किसी एक राजनीतिक दल को फायदा पहुंचाते हों उन पर कड़ाई से रोक लगाई थी। चुनाव आयोग स्वयं चुनाव आयोग के लिए सुरक्षाबलों की तैनाती करते थे। चुनाव के दौरान जो शिकायतें प्राप्त होती थी। उस पर तुरंत संज्ञान लेकर चुनाव आयोग कार्यवाही करता था। चुनाव आयोग के नियुक्त पर्यवेक्षक चुनाव के दौरान प्रत्येक विधानसभा या लोकसभा क्षेत्रों में चुनाव निष्पक्ष तरीके से हों। चुनाव में काले धन का प्रयोग न हो। प्रत्याशी अपनी तय सीमा पर ही खर्च कर अपना चुनाव प्रचार करें । मीडिया पर भी पूरा नियंत्रणचुनाव आयोग का होता था। पिछले कई चुनावों में कई प्रदेशों के चुनाव के लिए अलग-अलग तारीखें एक से दो चरणों में मतदान मतदान और मतगणना के बीच 15 से 20 दिनों का अंतराल चुनाव के दौरान की गई शिकायतों पर कार्रवाई नहीं होना चुनाव आयोग के पर्यवेक्षकों का चुनाव के दौरान निष्क्रिय रहना सभी को आश्चर्यचकित कर रहा है। चुनाव आयोग एक पक्ष विशेष के प्रभाव में रहकर काम कर रहा है यह स्पष्ट रूप से दिखने लगा है। जिन राजनीतिक दलों के पास कम संसाधन हैं।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

मुम्बई ।

मुम्बई शेयर बाजार शुक्रवार को गिरावट पर बंद हुआ। सप्ताह के अंतिम कारोबारी दिन बाजार में ये गिरावट दुनिया भर के बाजारों से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी होने से आई है। कारोबार के दौरान उपभोक्ता क्षेत्र (एफएमसीजी) धातु और संपत्ति क्षेत्र के साथ ही दवा इंफ्रा और वाहन शेयरों में दबाव रहा। दिन भर के कारोबार के बाद तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स 236.66 अंक करीब 0.39 फीसदी नीचे आकर 60621.77 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं पचास शेयरों वाला एनएसई (निफ्टी) 80.20 अंक तकरीबन 0.44 फीसदी नीचे आकर 18027.65 के स्तर पर बंद हुआ। वहीं गत पिछले कारोबारी सत्र में भी बाजार गिरावट पर बंद हुआ था और यही सिलसिला आज भी जारी रहा। आज के कारोबार में कोल इंडिया एचडीएफसी बैंक पावर ग्रिड कारपोरेशन एचडीएफसी और आईटीस निफ्टी के शेयर सबसे अधिक लाभ के साथ ही ऊपर आये जबकि एचयूएल एशियान पैंटस बालाजी फिनसर्व एचडीएफसी लाइफ और नेस्टले इंडिया के शेयर निफ्टी में सबसे ज्यादा नुकसान में रहे। इससे पहले आज सुबह बाजार ने हल्की बढ़त के साथ शुरुआत की है। एशियाई के अन्य बाजारों में हरियाली का असर यहां भी दिख रहा है। सेंसेक्स 42.73 अंकों की बढ़त के साथ 60901.16 खुला है। वहीं निफ्टी ने भी 7.75 अंकों की बढ़त के साथ 18115.60 पर कारोबार की शुरुआत की है। हालांकि खुलने के तुरंत बाद बाजार लगभग 42 अंक ही टूट भी गया। निफ्टी का हाल भी इसी तरह हुआ है। सार्ववजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया ने कहा कि उसका चालू वित्त वर्ष की तीसरी तिमाही में लाभ बढ़ा है। फंसे कर्जों में गिरावट आने से उसका एकल आधार पर लाभ बढ़कर 2245 करोड़ रुपये हो गया।

बैंक ने शेयर बाजारों को दी गई सूचना में कहा कि एक साल पहले की समान तिमाही में उसका शुद्ध लाभ 1085 करोड़ रुपये रहा था. अक्टूबर-दिसंबर 2022 की तिमाही में बैंक की कुल आय बढ़कर 24154 करोड़ रुपये हो गया।

रुपया तीन पैसे की बढ़त के साथ ही 81.12 पर बंद

मुंबई । भारतीय रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले तीन पैसे की बढ़त के साथ ही शुक्रवार को 81.12 पर बंद हुआ। इससे पहले सुबह रुपया शुरुआती कारोबार में 21 पैसे की बढ़त के साथ 81.15 के भाव पर पहुंच गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 81.24 के भाव पर पहुंचा। जल्द ही इसने अपनी बढ़त को मजबूत किया और 81.15 के भाव पर पहुंच गया। इस तरह पिछले बंद भाव के मुकाबले रुपए में 21 पैसे की मजबूती दर्ज की गई। इससे पहले गुरुवार को रुपया 81.36 प्रति डॉलर के भाव पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की प्रमुख मुद्राओं के समक्ष डॉलर की मजबूती को आंकने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत चढ़कर 102.15 पर पहुंच गया।

दावोस में नादिर गोदरेज ने जयवायु परिवर्तन पर एक कविता प्रस्तुत की

नई दिल्ली । भारतीय कंपनी गोदरेज इंडस्ट्रीज लिमिटेड के प्रमुख नादिर गोदरेज ने विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के वार्षिक कार्यक्रम में अपने संबोधन के बजाय जयवायु परिवर्तन पर एक कविता प्रस्तुत की। गोदरेज ने छह मिनट से अधिक लंबी कविता की शुरुआत इस वाक्यांश से की ''एक सहनीय सीमा के अंदर जलवायु परिवर्तन नहीं होता एक संकट जो आग बाढ़ और सूखे के बारे में है।'' स्विट्जरलैंड स्थित दावोस में कविता गुरुवार को पेश की गई। इसके अलावा उनके संगठन की ओर से 'ब्लू कार्बन' परियोजना पर किए गए कार्यों जलवायु संकट पर उनके दृष्टिकोण और सामान्य कार्रवाई की जरूरत से जुड़ा ब्यौरा दिया गया। 'ब्लू कार्बन का आशय विश्व के महासागरों और तटवर्ती पारिस्थितिकी तंत्र द्वारा संग्रहित कार्बन से है। केवल पांच फीसदी भूमि पर फैली तटवर्ती नम भूमि महासागरीय सतह में दफन कार्बन की कुल मात्रा का आधा हिस्सा संग्रहित करती है।

मुकेश अंबानी ने ब्रांड संरक्षकता सूचकांक 2023 में नडेला और पिचाई को पछाड़ा

नई दिल्ली । प्रमुख कारोबारी मुकेश अंबानी ने ब्रांड संरक्षकता सूचकांक 2023 में माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला और गूगल के सुंदर पिचाई को पीछे छोड़ दिया है। मुकेश अंबानी इस सूचकांक में भारत में पहले और विश्व में दूसरे स्थान पर हैं। ब्रांड फाइनेंस ने ब्रांड मजबूती सूचकांक की तरह ही अपना ब्रांड संरक्षकता सूचकांक तैयार किया है। ब्रांड मजबूती सूचकांक अपनी कॉरपोरेट ब्रांड मूल्यांकन को रेखांकित करता है।ब्रांड फाइनेंस ने 2023 की रिपोर्ट में कहा` कि हमने एक संतुलित सूचकांक बनाया है। इसमें कंपनी के संरक्षक के रूप मे कार्य करने की कंपनियों के सीईओ की क्षमताओं और दीर्घकालिक स्तर पर शेयरधारक मूल्य को आगे बढ़ाने में भूमिका को मापा गया है। ब्रांड फाइनेंस की ब्रांड संरक्षकता सूचकांक (बीजीआई) 2023 में एनविडिया के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) जेनसेन हुआंग पहले और रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिडेट के मुकेश अंबानी दूसरे स्थान पर आ गए हैं। सूचकांक में शीर्ष 10 में सबसे ज्यादा लोग भारतीय या भारतीय मूल से हैं। एडोब के शांतनु नारायण चौथे जबकि सुंदर पिचाई पांचवें स्थान पर हैं। डेलॉयट के पुनीत राजन छठे जबकि टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन आठवें स्थान पर हैं। डीबीएस के पीयूष गुप्ता नौवें स्थान पर हैं जबकि टेंसेंट के हुआतेंग मा 10वें स्थान पर हैं। महिंद्रा समूह के प्रमुख आनंद महिंद्रा 23वें स्थान पर हैं। रिलायंस के प्रबंध निदेशक और चेयरमैन अंबानी दूसरे स्थान पर हैं। वह समूह के प्रमुख की भूमिका में 40 साल से हैं।

पीवीआर को दिसंबर तिमाही में 16.15 करोड़ का मुनाफा

नई दिल्ली । चालू वित्त वर्ष की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में मल्टीप्लेक्स श्रृंखला का परिचालन करने वाली पीवीआर लिमिटेड ने 16.15 करोड़ रुपए का मुनाफा कमाया है। कंपनी ने शेयर बाजारों को भेजी सूचना में यह जानकारी दी। पीवीआर को पिछले वित्त वर्ष 2021-22 की तीसरी तिमाही में 10.18 करोड़ रुपए का घाटा हुआ था। इस दौरान कंपनी की एकीकृत परिचालन आय 53.17 प्रतिशत बढ़कर 940.69 करोड़ रुपए पर पहुंच गई। एक साल पहले की इसी अवधि में यह 614.15 करोड़ रुपए थी। पीवीआर को कुल खर्च आलोच्य अवधि में 28.22 प्रतिशत बढ़कर 934.60 करोड़ रुपए हो गया। एक साल पहले इसी अवधि में कुल खर्च 728.93 करोड़ रुपए था।

अगले वित्त वर्ष प्रत्यक्ष कर वृद्धि बरकरार रखना हो सकता है मुश्किल

- वैश्विक मंदी के खतरों को देखते हुए आयकर संग्रह में आ सकती है गिरावट

नई दिल्ली ।

वैश्विक स्तर पर कमजोरी आने और उच्च आधार प्रभाव से आयकर और कॉरपोरेट कर संग्रह में 19.5 प्रतिशत की मौजूदा वृद्धि दर को अगले वित्त वर्ष में बरकरार रख पाना मुश्किल हो सकता है। एक सरकारी सूत्र ने यह आशंका जताई है। व्यक्तिगत आयकर और कॉरपोरेट कर के रूप में वसूला जाने वाला प्रत्यक्ष कर संग्रह चालू वित्त वर्ष में रिकॉर्ड दर से बढ़ा है। इसने वित्त वर्ष 2022-23 के बजट में निर्धारित कर संग्रह लक्ष्य को भी पार कर लिया है। चालू वित्त वर्ष में 10 जनवरी की तारीख तक प्रत्यक्ष कर संग्रह 19.55 प्रतिशत बढ़कर 12.31 लाख करोड़ रुपए हो गया है। यह समूचे वित्त वर्ष के लिए अनुमानित कर संग्रह का 86.68 प्रतिशत है जबकि वित्त वर्ष में अभी ढाई महीने का समय बचा हुआ है। हालांकि वित्त वर्ष 2023-24 के लिए एक फरवरी को पेश होने वाले बजट में प्रतिकूल वैश्विक परिस्थितियों का असर देखा जा सकता है। सरकारी सूत्र ने कहा कि इस बजट में 19.5 प्रतिशत की मौजूदा कर वृद्धि को बनाए रख पाना मुश्किल होगा। सूत्र ने कहा ` कि 2023-24 में प्रत्यक्ष कर में 19.5 प्रतिशत की वृद्धि दर को बरकरार रख पाना मुश्किल होगा। उन्होंने कहा कि वैश्विक मंदी के खतरों को देखते हुए आयकर संग्रह में गिरावट आ सकती है। पहले अग्रिम अनुमानों के मुताबिक चालू वित्त वर्ष में देश की वास्तविक जीडीपी वृद्धि दर सात प्रतिशत रह सकती है। हालांकि मौजूदा कीमतों पर यह वृद्धि 15.4 प्रतिशत रहने का अनुमान है। अर्थशास्त्रियों का मानना है कि अगले वित्त वर्ष में भारत की वास्तविक वृद्धि दर 6-6.5 प्रतिशत रह सकती है।

फूड डिलिवरी ग्रोथ धीमी होने के चलते 380 कर्मचारियों की छंटनी कर रही स्विगी

नई दिल्ली।

ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म स्विगी ने शुक्रवार को पुष्टि की है कि कंपनी 380 कर्मचारियों की छंटनी कर रही है क्योंकि फूड डिलीवरी ग्रोथ धीमी है। आईएएनएस द्वारा एक्सेस किए गए कर्मचारियों के लिए एक ईमेल में सह-संस्थापक और सीईओ, श्रीहर्ष मजेटी ने कहा, खाना पहुंचाने के लिए विकास दर हमारे अनुमानों (विश्व स्तर पर कई सहकर्मी कंपनियों के साथ) की तुलना में धीमी हो गई है। इसका मतलब यह है कि हमें अपने लाभप्रदता लक्ष्यों को पूरा करने के लिए अपनी समग्र अप्रत्यक्ष लागतों पर फिर से विचार करने की जरूरत है। उन्होंने कहा, हम पहले से ही बुनियादी ढांचे, कार्यालय/सुविधाओं आदि जैसी अन्य अप्रत्यक्ष लागतों पर कार्रवाई शुरू कर चुके हैं, हमें भविष्य के अनुमानों के अनुरूप अपने समग्र कर्मियों की लागतों को भी सही आकार देने की जरूरत थी। हमारी ओवरहायरिंग गलत निर्णय था और मुझे यहां बेहतर करना चाहिए था। प्रभावित कर्मचारियों को 3 महीने का न्यूनतम सुनिश्चित भुगतान प्राप्त होगा, जिसमें 100 प्रतिशत परिवर्तनीय वेतन/प्रोत्साहन शामिल होगा। भुगतान किया गया ज्वाइनिंग बोनस और रिटेंशन बोनस माफ कर दिया जाएगा। कंपनी ने कहा कि इसके अलावा, प्रभावित कर्मचारियों को 31 मई, 2023 तक अपने और नामित परिवार के सदस्यों के लिए चिकित्सा बीमा कवरेज मिलेगा। कंपनी ने यह भी कहा कि वह जल्द ही अपने मीट मार्केटप्लेस को बंद कर देगी क्योंकि कंपनी अपने पुनरावृत्तियों के बावजूद उत्पाद-बाजार में फिट नहीं हो पा रही है। इसके अलावा, पिछले वित्त वर्ष में 1,617 करोड़ रुपये की तुलना में वित्त वर्ष 2022 में ऑनलाइन फूड डिलीवरी प्लेटफॉर्म का घाटा दोगुना होकर 3,629 करोड़ रुपये हो गया। रजिस्ट्रार ऑफ कंपनीज (आरओसी) के वार्षिक वित्तीय विवरण के अनुसार, वित्त वर्ष 2022 में कुल खर्च 131 प्रतिशत बढ़कर 9,574.5 करोड़ रुपये हो गया। वित्त वर्ष 2022 के दौरान स्विगी का राजस्व 2.2 गुना बढ़कर 5,705 करोड़ रुपये हो गया था, जो वित्त वर्ष 2021 में 2,547 करोड़ रुपये था।

राजन ने कहा- पुरानी पेंशन योजना सरकारी खजाने के लिए नुकसानदेह

नई दिल्ली ।

भारत रिजर्व बैंक (आरबीआई) के पूर्व गर्वनर और मशहूर अर्थशास्त्री रघुराम राजन ने पुरानी पेंशन योजना को सरकारी खजाने के लिए नुकसानदेह बताया है। राजन ने राज्यों को चेताते हुए कहा है कि इस योजना को इसके कारण उत्पन्न हो रही भारी देनदारियों की वजह से ही बंद किया गया था। ओपीएस से भले ही एक बार सरकारी खर्च में कमी आएगी लेकिन भविष्य के लिए देनदारियां बढ़ जाएंगी। गौरतलब है कि देश में सरकारी कर्मचारियों के लिए वर्तमान में लागू नेशनल पेंशन सिस्टे टम (एनपीएस) की जगह पुरानी पेंशन योजना को वापस लाने की मांग जोर पकड़ती जा रही है। कांग्रेस पुरानी पेंशन योजना की हिमायत कर रही है। कांग्रेस शासित राजस्थान छत्तीसगढ़ और हिमाचल प्रदेश ने पुरानी पेंशन योजना को फिर से लागू कर दिया। दावोस में चल रही वर्ल्ड इकोनॉमिक फोरम की बैठक में भाग लेने गए रघुरामन राजन ने एक ऑनलाइन पोर्टल को दिए साक्षात्कार में कहा कि वर्तमान में लागू नेशनल पेंशन सिस्टम हर लिहाज से सही है। पुरानी पेंशन योजना में कई खामियां हैं. जो भी राज्य पुरानी पेंशन योजना को अपना रहे हैं उनको आगे आने वाले समय में परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। राजन ने कहा कि सरकारों के लिए ऐसी योजनाओं को अपनाना आसान है जिनके त्वरित लाभ मिल रहे हों लेकिन देनदारियों की तरफ अभी नहीं देखा जा

रहा है जो भविष्य के लिए ठीक नहीं हैं। रघुराम राजन ने रिटेल लोन देने में भी बैंकों को सतर्कता बरतने की सलाह दी है। उनका कहना है कि हाल में रिटेल लोन की ओर भारतीय बैंकों का झुकाव ज्यादा हुआ है। मंदी जैसी परिस्थितियों में रिटेल लोन जोखिम पैदा कर सकते हैं।

सोने चांदी में तेजी

नई दिल्ली । घरेलू बाजार में शुक्रवार को सोने और चांदी की कीमतों में तेजी आई है। दिल्ली सर्राफा बाजार में शुक्रवार को सोने की कीमतें 433 रुपये बढ़कर 57025 रुपये प्रति 10 ग्राम पहुंच गयी। वहीं गत कारोबारी सत्र में सोना 56592 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। इसके अलावा चांदी की कीमत भी 990 रुपये के उछाल के साथ ही 69208 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गयी। बाजार जानकारों के अनुसार दिल्ली में सोने की हाजिर कीमत 433 रुपये की तेजी के साथ 57025 रुपये प्रति 10 ग्राम पर रही। वहीं विदेशी बाजारों में सोना लाभ के साथ ही 1932 डॉलर प्रति औंस पर पर पहुंच गया जबकि चांदी भी लाभ के साथ ही 24.02 डॉलर प्रति औंस पर बनी रही।

मानसी टाटा ने संभाली टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की कमान

नई दिल्ली ।

विक्रम किर्लोस्कर के निधन के बाद उनकी बेटी मानसी टाटा ने टोयोटा किर्लोस्कर मोटर की चेयरपर्सन की कमान संभाल ली है। अब मानसी टाटा तत्काल प्रभाव से कंपनी की नई वाइस चेयरपर्सन होंगी। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के अलावा मानसी टोयोटा किर्लोस्के र ऑटो पार्ट्स की भी वाइस चेयरपर्सन होंगी। बोर्ड ने उन्हें कंपनी की कमान सौंपने का फैसला किया। मानसी टाटा विक्रम किर्लोस्कर की एकलौती बेटी है। उनकी आकस्मित मौत के बाद अब मानसी को कंपनी की कमान सौंप दी गई है। उनकी शादी साल 2019 में रतन टाटा के सौतेल भाई नोएल टाटा के बेटे नेविल टाटा के साथ हुई। इस नाते वो रतन टाटा की बहू हैं। मानसी और उनका परिवार बेहद सादगी भरा जीवन जीते हैं। मानसी किर्लोस्कर परिवार की पांचवीं पीढ़ी की वंशज हैं और परिवार की विरासत को आगे ले जा रही है। अमेरिका रे रोड आइलैंड स्कूल से डिजाइन की पढ़ाई करके लौटी मानसी को आर्ट्स का शौक है लेकिन अब वो कंपनी की कमान संभाल रही है। टोयोटा किर्लोस्कर मोटर के वाइस चेयरपर्सन विक्रम किर्लोस्कर की 29 नवंबर को मृत्यु हो गई। 64 साल की उम्र में दिल का दौरा पड़ने से उनका निधन हो गया। फॉर्च्यूनर और इनोवा जैसी कार निर्माता कंपनी टोयोटा को भारत में

लाने का श्रेय विक्रम किर्लोस्कर को ही जाता है। 1997 में टोयोटा के साथ उनकी डील हुई जिसके बाद जापानी कार मेकिंग कंपनी ने भारत में कारोबार शुरू किया।

भारतीय स्वर्णाभूषणों के लिए अमेरिका सबसे बड़ा निर्यात बाजार बना

चेन्नई ।

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (डब्ल्यूजीसी) ने एक रिपोर्ट में कहा है कि संयुक्त अरब अमीरात से आगे अमेरिका सोने के आभूषणों के लिए भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार बन गया है। डब्ल्यूजीसी के अनुसार यूएस को चीनी आभूषणों पर अतिरिक्त टैरिफ के कारण अमेरिका भारतीय सोने के आभूषणों के लिए सबसे बड़ा बाजार बन गया जिसने भारतीय निर्यातकों को और अधिक प्रतिस्पर्धी बना दिया। दूसरे यूएई द्वारा 2017 में 5 प्रतिशत आयात शुल्क और 2018 में 5 प्रतिशत मूल्य वर्धित कर (वैट) लागू करने से इसकी प्रतिस्पर्धात्मकता पर नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। डब्ल्यूजीसी ने कहा कि मई 2022 में पेश व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) के तहत यूएई को भेजे जाने वाले 90 फीसदी भारतीय सामानों को शुल्क मुक्त पहुंच दी जाएगी। चूंकि संयुक्त अरब अमीरात में बेचे जाने वाले सामान को फिर से निर्यात किया जाता है इससे भारत के सोने के आभूषणों के निर्यात में काफी वृद्धि हुई है और ऐसा करना जारी रहेगा। डब्ल्यूजीसी ने कहा कि भारत सरकार द्वारा विनिर्माण और निर्यात को बढ़ावा देने की मांग के साथ आभूषण निर्यात बढ़ने की संभावना है। इसके अलावा विदेशों में कीमती धातु आपूर्तिकर्ताओं को अग्रिम भुगतान की अनुमति देने और मुंबई और सूरत में सांताक्रूज इलेक्ट्रॉनिक्स एक्सपोर्ट प्रोसेसिंग जोन में मेगा कॉमन फैसिलिटी सेंटर स्थापित करने के प्रस्ताव लागू होने पर क्षेत्र की वृद्धि को प्रोत्साहित कर सकते हैं।

एल्युमिनियम उत्पादों पर आयात शुल्क बढ़ेः एफआईसीसीआई

लगभग 12.5 फीसदी तक आयात शुल्क बढ़ाने की मांग

नई दिल्ली ।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण 1 फरवरी को लोकसभा में केंद्रीय बजट पेश करने वाली हैं। उद्योग निकाय फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) ने 1 फरवरी को पेश होने वाले बजट 2023 में घरेलू निर्माताओं को प्रोत्साहित करने के लिए एल्युमिनियम और उसके उत्पादों पर कम से कम 12.5 फीसदी तक आयात शुल्क बढ़ाने की मांग की है। एल्युमिनियम और उसके उत्पाद पर वर्तमान आयात शुल्क 10 फीसदी है और शुल्क बढ़ाने से देश में प्रोडक्ट की डंपिंग पर अंकुश लगाने में मदद मिलेगी और घरेलू विनिर्माण और रीसाइक्लिंग के विकास को बढ़ावा मिलेगा। फिक्की ने एक बयान में कहा कि हाल के वर्षों में विशेष रूप से चीन से सब पर एल्युमिनियम आयात में वृद्धि देखी गई है जो डाउनस्ट्रीम एल्युमिनियम आयात का 85 फीसदी से अधिक है। इसके अलावा भारत अमेरिका ब्रिटेन मलेशिया और मध्य पूर्व से भी एल्युमिनियम का आयात दिख रहा है। इनमें से कई देश अपने घरेलू उद्योगों को रियायतें और लाभ कम ब्याज ऋण सस्ती बिजली शुल्क कच्चे माल की उपलब्धता में वृद्धि और कर लाभ के साथ समर्थन करते हैं। भारत में एल्युमिनियम उद्योग वैश्विक मांग में कमी बढ़ते उत्पादन और रसद लागत आयात की बाढ़ और बाजार हिस्सेदारी में गिरावट से जूझ रहा है। वर्तमान में भारत की एल्युमिनियम की 60 फीसदी से अधिक मांग आयात के माध्यम से पूरी की जा रही है। एफआईसीसीआई ने घरेलू विनिर्माण को प्रोत्साहित करने और आयात की डंपिंग से निपटने के लिए कई प्रमुख सामग्रियों पर उल्टे शुल्क ढांचे को 7.5 से 2.5 फीसदी तक युक्तिसंगत बनाने की भी मांग की है। उद्योग निकाय ने एल्यूमीनियम जैसे अत्यधिक बिजली-गहन उद्योगों का समर्थन करने के लिए कोयले पर उपकर को समाप्त करने की भी सिफारिश की है।

अमेरिका में तनिष्क ने खोला पहला स्टोर

वाशिंगटन ।

टाटा समूह के अग्रणी आभूषण ब्रांड तनिष्क ने अमे रिका के न्यूजर्सी में अपना पहला स्टोर खोल लिया है। अमेरिकी संसद के सीनेटर रॉबर्ट मेनेंडेज ने न्यू जर्सी के मशहूर ओक ट्री रोड पर स्थित इस स्टोर का उदघाटन किया। इस अवसर पर मेनेंडेज ने कहा कि कई आभूषण विक्रेताओं की मौजूदगी वाले ओक ट्री रोड पर तनिष्क स्टोर की शुरुआत कई मायनों में बेहद खास है। तनिष्क ने कहा कि यह स्टोर 18 कैरट और 22 कैरट सोने के अलावा हीरों से बने आभूषणों की भी बिक्री करेगा। इस स्टोर की शुरुआत के पहले तनिष्क की अमेरिकी बाजार में ई-कॉमर्स मंचों के जरिये मौजूदगी थी। पिछले एक साल की ऑनलाइन मौजूदगी में तनिष्क को खरीदारों से अनुकूल प्रतिक्रिया मिली है। तनिष्क की अमेरिकी बाजार में भौतिक मौजूदगी कंपनी की कारोबार विस्तार रणनीति का हिस्सा है। इसके पहले कंपनी ने दुबई में भी नवंबर 2020 में अपना पहला स्टोर खोला था। तनिष्क ब्रांड का संचालन करने वाली टाइटन कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (अंतरराष्ट्रीय कारोबार खंड) कुरुविला मार्कोस ने कहा` कि इस शोरूम में हमारे नवीनतम उत्पादों को पेश किया जाएगा जो अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय की जरूरतों पर खरे उतरेंगे। विज्ञप्ति के मुताबिक कंपनी की योजना उत्तर अमेरिका और पश्चिम एशिया में अपने स्टोर की संख्या अगले दो-तीन साल में बढ़ाकर 20-30 तक पहुंचाने की है।

दीप्ति और अमनजोत के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला टीम ने दक्षिण अफ्रीका को हराया

नई दिल्ली । दीप्ति शर्मा और अमनजोत कौर के शानदार प्रदर्शन से भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने यहां दक्षिण अफ्रीका को त्रिकोणीय सीरीज के पहले ही मुकाबले में 27 रनों से हराया दिया। इस मैच में भारतीय टीम ने मेहमान टीम को जीत के लिए 148 रनों का लक्ष्य दिया था पर दक्षिण अफ्रीकी टीम 120 रन ही बना पायी। इस मैच में ऑलराउंडर अमनजोत ने अपने पहले ही डेब्यू मैच में अपने शानदार पदर्शन से सभी का ध्यान खींचा है। इस मैच में दक्षिण अफ्रीकी टीम ने टॉस जीतकर भारतीय टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। भारत की ओर से सलामी बल्लेबाज यशिका भाटिया ने 35 रन बनाकर टीम को अच्छी शुरुआत दिलायी पर अनुभवी बल्लेबाज स्मृति मंधाना सहित टीम की चार बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पायीं और लगातार चार विकेट गिरने से टीम मुश्किलों में घिर गयी। ऐसे समय में बल्लेबाज दीप्ति शर्मा ने 33 और अमनजोत ने नाबाद 41 रन बनाकर टीम को संभाला। इन दोनो ने टीम को 147 रनों के सम्मानजनक स्कोर तक पहुंचाया। दीप्ति ने बल्लेबाजी के बाद गेंदबाजी में भी अच्छा प्रदर्शन करते हुए तीन विकेट लिए। वहीं देविका वैद्य ने दो विकेट लिए। इसके बाद 148 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी टीम 120 रनों पर ही आउट हो गयी।

न्यूजीलैंड को हराकर एकदिवसीय सीरीज जीतने के इरादे से उतरेगी टीम इंडिया

रायपुर ।

भारतीय क्रिकेट टीम शनिवार को रायपुर में होने वाले दूसरे एकदिवसीय मैच में मेहमान टीम न्यूजीलैंड को हराकर तीन मैचों की सीरीज अपने नाम करने उतरेगी। भारतीय टीम ने हैदराबाद में हुआ पहला मैच जीता था। इस प्रकार उसके पास सीरीज में 1-0 की बढ़त है। पहली बार रायपुर में खेले जाने वाले इस अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच के लिए प्रशंसकों में भी जबरदस्त उत्साह है। ऐसे में भारतीय टीम के ऊपर इस मैच में जीत का दबाव भी रहेगा। वहीं मेहमान कीवी टीम भी सीरीज में वापसी के लिए इस मैच को जीतने के लिए पूरी ताकत लगा देगी। इस मैच में भारतीय टीम का पलड़ा भारी रहेगा क्योंकि पहले एकदिवसीय में जीत से उसका मनोबल बढ़ा हुआ है। टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल शानदार फार्म में हैं। शुभ्मन ने पहले मैच में दोहरा शतक लगाया था। वहीं अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली पहले मैच में असफल रहे थे। ऐसे में उनका लक्ष्य यहां बड़ी पारी खेलना रहेगा। तेज गेंदबाजी की बात करें तो मोहम्मद सिराज आजकल शानदार लय में हैं ओर वह इस मैच में भी पहले मैच की तरह ही विकेट लेना चाहेंगे। इसके अलावा स्पिनर कुलदीप याद ने भी पहले मैच में अच्छी गेंदबाजी की थी जिसे वह बनाये रखना चाहेंगे। वहीं दूसरी ओर मेहमान कीवी टीम के बल्लेबाज माइकल ब्रेसवेल ने पहले मैच में शानदार शतक लगाकर अभी टीम को जीत दिलाने का अंत तक प्रयास किया था। इस मैच में भी टीम को ब्रेसवेल से अच्छी बल्लेबाजी की उम्मीद रहेगी। वहीं गेंदबाजी की बात करें तो टीम के पास स्पिनर मिचेल सैंटनर के अलावा कई अन्य अच्छे तेज गेंदबाज हैं। पहले मैच में शुभमन के अलावा कोई अन्य भारतीय बल्लेबाज कीवी गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पाया था। यह मैच न्यूजीलैंड टीम के लिए इसलिए भी अहम है क्योंकि न्यूजीलैंड को भारत की धरती पर पहली एकदिवसीय सीरीज जीतने का इंतजार है। ऐसे में उसे सीरीज पर कब्जा करने के लिए शेष दोनों मुकाबले जीतने होंगे। कीवी टीम अब तक भारतीय धरती पर 6 बार दिवपक्षीय सीरीज खेल चुकी है पर हर बार उसे हार का सामना करना पड़ा। न्यूजीलैंड साल 1988-89 में पहली बार भारत वनडे सीरीज खेलने आयी थी। गत 34 साल में न्यूजीलैंड ने 6 बार भारत का दौरा किया है। पर उसे एक बार भी एकदिवसीय सीरीज जीतने में सफलता नहीं मिली।

हॉकी विश्व कप में ऑस्ट्रेलिया ने दक्षिण अफ्रीका को 9-2 से पीटा

राउरकेला ।

ब्लेक गोवर्स के शानदार चार गोल की सहायता से ऑस्ट्रेलिया ने एफआईएच पुरुष हॉकी विश्व कप 2023 के पूल-ए मुकाबले में दक्षिण अफ्रीका को 9-2 से हरा दिया। बिरसा मुंडा अंतरराष्ट्रीय हॉकी स्टेडियम पर खेले गये इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की ओर से गोवर्स ने तीसरे 14वें 18वें और 19 वें मिनट में गोल दागे। इसके अलावा टॉम क्रेग ने ने नौवें जेक हार्वी ने 21 वें डेनियल बील ने 27वें ओर जेरेमी हेवड ने 31 वें और टिम ब्रैंड ने 46वां मिनट में गोल दागे दागे। वहीं दूसरी ओर दक्षिण अफ्रीका की ओर से दो गोल एन्कोबिले एन्टुली ने सातवें और टेविन कॉक ने 57वां मिनट में दागे। इस मैच में ऑस्ट्रेलिया की टीम पूरी समय हावी रही। इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया ने पूल-ए से क्वार्टरफाइनल के लिये क्वालीफाई कर लिया है। वहीं दक्षिण अफ्रीका पूल स्तर के अपने सभी मुकाबले हारने के साथ ही शीर्ष-आठ की दौड़ से बाहर हो गयी है। इस मैच की शुरुआत से ही गोवर्स ने 20 मिनट के अंदर चार गोल दागकर ऑस्ट्रेलिया को मुकाबले में विशाल बढ़त दिला दी जो अंत तब बनी रही।

तीसरे मिनट में मैदानीगोल करने के बाद गोवर्स ने 14वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर स्कोर किया जबकि दूसरे क्वार्टर के तीसरे मिनट में मिले पेनल्टी स्ट्रोक को भी उन्होंने गोल में बदला। अगले ही मिनट गोवर्स ने एक और मैदानी गोल किया जबकि क्रेग हार्वी और बील ने भी एक-एक गोल करके पहले हाफ की समाप्ति से पूर्व ऑस्ट्रेलिया को अजेय बढ़त दिला दी। वहीं एन्टुली ने सातवें मिनट में दक्षिण अफ्रीका की ओर से गोल किया पर ऑस्ट्रेलिया ने पहला हाफ समाप्त होने तक 7-1 से बढ़त ले ली थी।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः पेगुला, गॉफ और स्वीयाटेक चौथे दौर में पहुंची

मेलबर्न, नंबर 3 वरीयता प्राप्त अमेरिकी जेसिका पेगुला शुक्रवार को लगातार तीसरे साल आस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में पहुंच गई। उनके साथी अमेरिकी कोको गॉफ और दुनिया की नंबर 1 इगा स्वीयाटेक ने अपने तीसरे दौर के मैचों में जीत हासिल की। पेगुला ने तीसरे दौर में यूक्रेन की मार्ता कोस्तयुक को 6-0, 6-2 से मात दी। अब तक तीन मैचों में नंबर 3 सीड ने छह सेटों में सिर्फ 11 गेम गंवाए हैं। क्वार्टरफाइनल में जगह बनाने के लिए पेगुला को 2021 रोलां गैरो चैंपियन, नंबर 20 वरीयता प्राप्त यूक्रेनी बारबोरा क्रेजिकोवा को हराना होगा, जिन्होंने हमवतन एहेलिना कलिनिना पर 6-2, 6-3 से जीत के साथ चौथे दौर में जगह बनाई है। शीर्ष 10 में शामिल अन्य अमेरिकी खिलाड़ी गॉफ ने अब तक के सबसे अच्छे परिणाम हासिल किए हैं। नंबर 7 सीड ने बर्नार्डा पेरा को तीसरे राउंड में 6-3, 6-2 से हराकर अपने करियर में दूसरी बार अंतिम 16 में प्रवेश किया। 18 वर्षीय गॉफ 2020 में भी चौथे दौर में पहुंच गई थी, जहां वह अंतिम चैंपियन सोफिया केनिन से हार गई थीं। वह अगली बार 2017 की रोलां गैरो विजेता जेलेना ओस्टापेंको से भिड़ेंगी, जिन्होंने यूक्रेन की कतेरीना बैंडल को पहली बार करियर के चौथे मैच में 6-3, 6-0 से हराया। इस बीच, वर्ल्ड नंबर 1 स्वीयाटेक को शुक्रवार को स्पेनिश क्वालीफायर क्रिस्टीना बुक्सा को 6-0, 6-1 से हराकर सीधे चौथे सीजन के लिए 16 के राउंड तक पहुंचने में कोई परेशानी नहीं हुई।

प्रदर्शनकारी पहलवान बजरंग पूनिया ने कहा,

जरूरत पड़ी तो हम डब्ल्यूएफआई के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करेंगे

नई दिल्ली,

टोक्यो ओलंपिक के कांस्य पदक विजेता बजरंग पुनिया ने शुक्रवार को यहां जंतर-मंतर पर प्रदर्शनकारी पहलवानों द्वारा आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में मीडिया को संबोधित किया और कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वे अपनी मांगों को पूरा करने के लिए कानूनी रास्ता अपनाएंगे। पुनिया ने कहा, उनकी केवल एक ही मांग है जो महासंघ को भंग करना है। साथ ही कहा कि अगर सरकार द्वारा उनकी मांगों को पूरा किया जाता है तो विरोध करने वाले पहलवान अपने घर वापस चले जाएंगे। पुनिया ने कहा, फिर भी, कई खिलाड़ी डरे हुए हैं कि आगे कई टूर्नामेंट हैं और उनका क्या होगा। इसलिए, हमने उन्हें यहां आने के लिए मना कर दिया है। उम्मीद है कि यह जानकारी मीडिया के माध्यम से युवा एथलीटों तक पहुंच जाएगी। उन्होंने आगे कहा, जैसे डब्ल्यूएफआई के अध्यक्ष बृजभूषण शरण ने कहा कि अगर उन पर लगे आरोप साबित होने हैं तो वह खुद को फांसी लगा लेंगे। हमें उम्मीद है कि वह दिन जल्द ही आएगा। स्टार पहलवान विनेश फोगाट ने आरोप लगाया कि डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करते रहे हैं। पुनिया ने विरोध में राजनीतिक दलों और व्यापारियों के शामिल होने की अफवाहों को भी खारिज करते हुए कहा कि कोई भी व्यक्ति इसे जातिवाद का नाम दे सकता है या राजनीतिक भागीदारी की बात कर सकता है, कोई भी कुछ भी कह सकता है, हम यहां सिर्फ एथलीट हैं। आप आकर देख सकते हैं या हमारे फोन रिकॉर्ड या सीआईडी जांच के माध्यम से करवा सकते हैं। मैंने यह स्पष्ट कर दिया है कि विरोध में किसी भी राजनेता की कोई भागीदारी नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

इंडिया ओपनः लोह कीन यू को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे विटिडसन

नई दिल्ली, पूर्व विश्व जूनियर चैंपियन कुनलावत विटिडसन तीसरी वरीयता प्राप्त और पिछले सीजन के फाइनलिस्ट सिंगापुर के लोह कीन यू को हराकर सेमीफाइनल में पहुंच गए, जबकि छठी वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई एंथनी गिनटिंग को चीन के ली शी फेंग ने शुक्रवार को इंदिरा गांधी इंडोर स्टेडियम में इंडिया ओपन 2023 पुरुष एकल के क्वार्टर फाइनल में कड़ी टक्कर देने के लिए मजबूर किया। विटिडसन ने लोह को 21-12, 21-17 से हराने के लिए शानदार योजना अपनाई, जबकि गिनटिंग ने ली के खिलाफ निर्णायक गेम में 6-10 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 21-11, 17-21, 21-18 से जीत हासिल की। शीर्ष वरीय डेनमार्क के विक्टर एक्सलसेन भी सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। भारतीय बैडमिंटन संघ द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सुपर 750 इवेंट का सेमीफाइनल शनिवार को खेला जाएगा, जबकि फाइनल रविवार को होगा। विटिडसन ने लोह को 21-12, 21-17 से हराने के लिए शानदार योजना अपनाई, जबकि गिनटिंग ने ली के खिलाफ निर्णायक गेम में 6-10 से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए 21-11, 17-21, 21-18 से जीत हासिल की। शीर्ष वरीय डेनमार्क के विक्टर एक्सलसेन भी सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं।

ऑस्ट्रेलियन ओपनः सितसिपास की चौथे दौर में भिड़ंत जानिक सिनर से

मेलबर्न, यूनान के स्टेफानोस सितसिपास और इटली के जानिक सिनर वर्ष के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलियन ओपन के चौथे दौर में आमने सामने होंगे। दोनों खिलाड़ियों ने शुक्रवार को तीसरे दौर में जीत दर्ज की और चौथे दौर में भिड़ने का अधिकार पाया। तीसरी सीड सितसिपास ने तालोन ग्रीक्सपूर को 6-2, 7-6(5), 6-3 से हराया और 2023 ऑस्ट्रेलियन ओपन में अपना सेट रिकॉर्ड 9-0 पहुंचा दिया। यूनानी खिलाड़ी ने दूसरे सेट में सेट अंक बचाया और फिर मैच को निपटाने में ज्यादा समय नहीं लगाया। सितसिपास यदि इस साल खिताब जीतते हैं तो वह विश्व रैंकिंग में नंबर एक बन जाएंगे। सितसिपास का चौथे दौर के अपने प्रतिद्वंद्वी सिनर के खिलाफ 4-1 का करियर रिकॉर्ड है। इटली के 21 वर्षीय सिनर ने तीसरे दौर में हंगरी के मार्टन फुकसोविक्स को 4-6, 4-6, 6-1, 6-2, 6-0 से हराया और तीसरी बार चौथे दौर में पहुंच गए। पिछले दो मौकों (2018, 2020) पर वह रोजर फेडरर से हार गए थे।

एकदिवसीय मैच के टिकटों की कालाबाजारी मामले में राकेश सिंह की याचिका खारिज जुर्माना भी लगा

इंदौर ।

हाईकोर्ट की इंदौर खंडपीठ ने 24 जनवरी को यहां होने वाले भारत-न्यूजीलैंड एकदिवसीय क्रिकेट मैच के टिकटों की कालाबाजारी मामले को लेकर कांग्रेस नेता राकेश सिंह यादव की याचिका खारिज करने के साथ ही उनपर 25 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। कांग्रेस नेता राकेश सिंह यादव ने जनहित याचिका दायर कर आरोप लगाए थे कि मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) ने टिकटों की बिक्री में गड़बड़ी की है। उन्होंने कहा कह 12 जनवरी को टिकट की बिक्री सुबह 6 बजे ऑनलाइन शुरू की गयी थी। ऑनलाइन टिकट बिक्री में मात्र 1 मिनट में 3 हजार 118 टिकट बिक गए और अगले दूसरे मिनट में 1600 टिकट बिके और पांच मिनट के अंदर 6 हजार 260 टिकटों की बिक्री हो गई। साथ ही 15 मिनट में सभी कम कीमत वाली टिकटों की बिक्री हो गई। जो इतने कम समय में संभव नहीं है क्योंकि बैंकिंग ट्रांजेक्शन ओटीपी जनरेट होने में डेढ़ से दो मिनट का समय लग ही जाता है। ऐसे में ऑनलाइन टिकट बिक्री के नाम पर गड़बड़ी की गयी है। वहीं एमपीसीए की ओर से अदालत में कहा गया कि 16 हजार टिकट बिक्री के लिए रखे गए थे जबकि सात हजार टिकट कॉप्लीमेंट्री रखे गए हैं। 4 हजार टिकट एमपीसीए और बीसीसीआई के सदस्यों को दिए जाएंगे। टिकट बिक्री में पूरी पारदर्शिता बरती गई। साथ ही कहा कि याचिकाकर्ता ने केवल अखबारों में छपी खबर के आधार पर ये याचिका दायर की है और उनके पास किसी प्रकार के दस्तावेज नहीं हैं। कोर्ट ने फैसले में इस बात पर नाराजगी जताई है कि याचिकाकर्ता ने बिना किन्हीं ठोस सबूतों के याचिका दायर की है। इससे कोर्ट का समय खराब हुआ।

धीमी ओवर गति के लिए टीम इंडिया पर जुर्माना

दुबई । अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले एकदिवसीय क्रिकेट मैच में धीमी ओवर गति के लिए भारतीय टीम पर जुर्माना लगाया गया है। हैदराबाद में हुए इस मैच में भारतीय टीम ने 12 रनों से रोमांचक जीत दर्ज की थी। आईसीसी के अनुसार भारतीय टीम ने निर्धारित समय में तीन ओवर कम किए थे। इसी कारण उनपर जुर्माना लगाया गया है। धीमी ओवर गति नियम के तहत अब भारतीय टीम को मैच फीस का 60 फीसदी जुर्माना देना होगा। आईसीसी की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.22 के तहत टीम के खिलाड़ियों को हर ओवर के लिए 20 फीसदी जुर्माना देना होता है। टीम ने तीन ओवर निर्धारित समय में नहीं किए थे। ऐसे में यह जुर्माना बढ़कर 60 फीसदी हो जाता है। अमीरात आईसीसी एलीट पैनल के मैच रेफरी जवगल श्रीनाथ ने कहा कि टीम इंडिया ने तय से तीन ओवर कम किए थे। इस मामले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने अपनी गलती स्वीकार कर ली है। ऐसे में अब किसी प्रकार की आगे सुनवाई नहीं होगी।

रणजी ट्रॉफी में दिल्ली ने मुंबई को आठ विकेट से हराया

41 साल बाद दिल्ली को मुंबई पर जीत मिली

नई दिल्ली । सरफराज खान की अच्छी बल्लेबाजी के बाद भी रणजी ट्रॉफी मुकाबले में मुम्बई को हार का सामना करना पड़ा है। दिल्ली ने मुंबई को 8 विकेट से हराया। फर्स्ट क्लास टूर्नामेंट में 41 साल बाद किसी मैच में दिल्ली को मुंबई पर जीत मिली है। इस मैच में सरफराज ने पहली पारी में शानदार शतक लगाते हुए 125 रन बनाए थे। इससे मुंबई ने अपनी पारी में 293 रन बनाए। इसके बाद दिल्ली ने 369 रन बनाए। मुंबई की टीम दूसरी पारी में दिल्ली के गेंदबाजों के सामने टिक नहीं पायी और 170 रनों पर ही आउट हो गयी। दूसरी पारी में सरफराज खाता भी नहीं खोल पाये। पहली पारी की बढत के आधार पर इस मैच में दिल्ली की टीम को जीत के लिए 95 रन का लक्ष्य मिला. जो टीम ने 2 विकेट के नुकसान पर हासिल कर लिया। दिल्ली की ओर से तेज गेंदबाज दिविज मेहरा ने कुल 6 विकेट लिए। दिविज ने दूसरी पारी में सरफराज के अलावा सलामी बल्लेबाज पृथ्वी शॉ के अहम विकेट लिए। पृथ्वी ने पहली पारी में 40 जबकि दूसरी पारी में 16 रन बनाए। दिल्ली की ओर से पहली पारी में वैभव रावल ने 114 जबकि कप्तान हिम्मत सिंह ने 85 रन बनाए थे। मुंबई की टीम दूसरी पारी में दिल्ली की गेंदबाजी के सामने टिक नहीं पायी। उसके 6 बल्लेबाज दो अंकों तक भी नहीं पहुंच पाये। कप्तान अजिंक्य रहाणे ने 51 जबकि तानुष कोटियन ने नाबाद 50 रन बनाए। दिविज मेहरा ने 13 ओवर में 30 रन देकर 5 विकेट लिए।

उषा ने पहलवानों को न्याय का भरोसा दिया

नई दिल्ली ।

भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की अध्यक्ष पीटी उषा ने महिला पहलवानों को न्याय का भरोसा दिया है। उषा ने साथ ही कहा कि जिस भी खिलाड़ी को कोई समस्या है वह सामने आये और अपनी बात रखे चाहे वह किसी भी खेल से संबंधित हो। आईओए सभी खिलाड़ियों के हितों का ध्यान रखेगी। उषा ने भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ लगाए गए यौन उत्पीड़न के आरोपों पर चिन्ता जतायी है। साथ ही कहा कि खेल संस्था पर लगे इस प्रकार के आरोपों से वह परेशान हैं। साथ ही कहा कि देश के शीर्ष खेल संस्था (आईओए) महिला खिलाड़ियों के हितों की रक्षा के लिए हर संभव प्रयास करेगी। विनेश फोगाट ने डब्ल्यूएफआई पर खिलाड़ियों के यौन शोषण के आरोप लगाये थे। इसके बाद पहलवान बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक के अलावा कई नामी पहलवान पिछले दो दिनों से डब्ल्यूएफआई अध्यक्ष को हटाने की मांग करते हुए धरने पर बैठे हैं। इन लोगों ने अध्यक्ष पर यौन उत्पीड़न और डराने का आरोप लगाया है। इन खिलाड़ियों ने महासंघ को भंग करने की मांग की है। इस मामले में खेल मंत्रालय से हुई खिलाड़ियों की बातचीत में भी अबतक कोई हल नहीं निकला है। आईओए की ओर से दिये बयान में उषा ने कहा'' महिला और पूर्व खिलाड़ी के साथ ही वर्तमान में खेल प्रशासक होने के नाते मैं भारतीय कुश्ती के ताजा मामले से काफी चिंतित और परेशान हूं जिसमें खिलाड़ियों के एक वर्ग ने इस खेल के ही वरिष्ठ अधिकारी के खिलाफ गंभीर आरोप लगाए हैं।'' उषा ने कहा कि उन्हें सरकार पर पूरा भरोसा है और उन्होंने सभी राष्ट्रीय खेल महासंघों (एनएसएफ) से इस मामले में सहयोग करने की अपील की। उन्होंने कहा'' यह मामला हालांकि बेहद चिंता का विषय है पर युवा मामलों और खेल मंत्रालय के त्वरित जवाब से मैं आश्वस्त हूं जिसने महासंघ से 72 घंटों के अंदर मामले में जवाब देने को कहा है।'' उषा ने कहा'' मेरा भारत सरकार पर भी पूरा भरोसा है और मुझे विश्वास है कि वह इस मामले में सही दिशा में ठोस कदम उठाएगी।''

ऑस्ट्रेलियन ओपन : पांच सेट के रोमांचक मुकाबले में मरे ने शानदार वापसी करते हुए कोकीनाकिस को हराया

मेलबर्न, पूर्व विश्व नंबर 1 एंडी मरे ने आस्ट्रेलियन ओपन में थानासी कोकीनाकिस को पांच सेटों के रोमांचक संघर्ष में दूसरे दौर में 4-6, 6-7(4), 7-6(5), 6-3, 7-5 से हरा दिया। मरे ने यह मुकाबला पांच घंटे 45 मिनट में जीता। यह मैच मरे के करियर का सबसे लम्बा मैच बन गया। यह पहली बार है जब मरे 2017 के बाद से सीजन के पहले मेजर में तीसरे दौर में पहुंचे हैं। वह अगले दौर में स्पेन के रॉबटरे बतिस्ता अगुत से खेलेंगे, जिन्होंने अमेरिकी वाइल्ड कार्ड ब्रैंडन होल्ट को 4-6, 2-6, 6-3, 6-2, 6-2 से हराने के लिए दो सेट से वापसी की थी। तीन बार के ग्रैंड स्लैम चैंपियन मरे ने इस सप्ताह दूसरी बार अपनी मानसिक और शारीरिक शक्ति का प्रदर्शन किया, उन्होंने पहले दौर में चार घंटे और 52 मिनट के पांच सेट के थ्रिलर में मातियो बेरेटिनी को हराया था। मरे ने कहा, यह अविश्वसनीय था कि मैं उन्हें हराने में कामयाब रहा। थानसी अच्छा खेल रहे थे। वह अपने फोरहैंड का इस्तेमाल कर रहा था। मुझे नहीं पता कि मैं इससे कैसे निकल पाया। जैसे-जैसे मैच आगे बढ़ा मैंने बेहतर खेलना शुरू किया। 26 वर्षीय आस्ट्रेलियाई खिलाड़ी ने पहले दो सेटों में 39 विनर्स लगाए। तीसरे सेट में कोकिनाकिस ने दो बार मरे की सर्विस तोड़ी और 5-2 की बढ़त बना ली। दुनिया के 66वें नंबर के खिलाड़ी ने हार्ड-कोर्ट मेजर में अपना सर्वश्रेष्ठ टेनिस प्रदर्शन किया और वापसी करते हुए सेट को टाई ब्रेक में पहुंचाया और इसे टाई ब्रेक में जीत लिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सरसों में रोग अनेक उपाय एक

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सरसों

तोरिया और तारामीरा भारत की प्रमुख तिलहनी फसलें हैं। इसमें 25 बीमारियां लगती हैं। इन रोगों से बचाव कर सरसों का उत्पादन बढ़ाने का एकमात्र उपाय सरसों का फसल में समन्वित रोग प्रबंधन प्रणाली अपनाना ही है। सरसों के मुख्य रोग एवं उनका समन्वित प्रबंधन इस प्रकार है :-

सफेद रोली

यह रोग एल्बूगो कैन्डिडा कवक द्वारा उत्पन्न होता है। जड़ को छोड़कर पौधों के सभी भागों पर रोग के लक्षण दिखाई देते हैं। रोग का प्रभाव पौधे पर दो प्रकार से होता है :

1. स्थानीय 2. सर्वांगी

स्थानीय संक्रमण में पत्तियों और तनों पर फफोले बनते हैं। यह फफोले कुछ उभरे हुए, चमकीले सफेद, अनियमित गोलाकार होते हैं। अधिक पास-पास होने पर यह फफोले मिलकर बड़े धब्बों का रूपधारण कर लेते हैं। फफोले बड़े होने पर बाहरी त्वचा फट जाती है तथा अंदर से कवक के बीजाणुओं का समूह पाउडर के रूप में निकलता है। तरूण तनों तथा पुष्पक्रम पर इस रोग का सर्वांगी असर होता है। उत्तकों की अतिवृद्धि होने से पुष्प अंग फूल जाते हैं। इन सभी अतिवृद्धि अंगों में फफूंद के स्पोर भरे रहते हैं। फलियों के स्थान पर गुच्छे दिखते हैं।

आल्टरनेरिया पर्ण दाग और अंगमारी

यह रोग आल्टरनेरिया ब्रैसिकी और आल्टर ब्रैसिसिकोला कवक से होता है। सर्वप्रथम यह बीमारी बीज पत्रीय पर्णों पर छोटे-छोटे हल्के भूरे रंग के चकत्तों के रूप में दिखाई देते हैं जो कि बाद में काला रूप धारण कर लेते हैं। पत्तियों पर संक्रमण भूरे या गहरे भूरे रंग के दागों से आरंभ होता है और बढ़कर शीघ्र ही यह तनों और फलियों में फैल जाता है। आर्द्र मौसम में दाग मिलकर पत्तियों को झुलसा देते हैं। जिससे पत्तियां झड़ने लगती हैं। फलियों पर दाग आगे बीज का संक्रमण करते हैं। बीमारी वाले बीज छोटे आकार के व सिकड़े हुए स्लेटी या भद्दा रंग धारण कर लेते हैं। जिन वर्षो में पौधे या तो पहले नष्ट हो जाते है या फलियां बनने या पकने के पहले पूर्ण रूप से खत्म हो जाती है।

छाछिया रोग (पाउडरी मिल्ड्यू):

यह रोग ऐरीसाइफी क्रुसीफेरेरम कवक द्वारा होता है। संक्रमित पौधों में प्रायः जमीन के सम्पूर्ण हिस्सों पर यह रोग देखा जा सकता है। प्रारंभ में यह रोग पौधों के तनों पत्तियों एवं फलियों पर श्वेत, गोल चूर्णित धब्बों के रूप में दिखाई पड़ता है। तापमान की वृद्धि के साथ-साथ में धब्बे आकार में बड़े हो जाते हैं और समस्त पौधों को ढ़क लेते है। ऐसे पौधों की बढ़वार बहुत कम होती है और फलियां भी कम लगती हैं। रोगग्रस्त फलियां आकार में छोटी हो जाती हैं और उनमें सिकुड़े हुए कुछ ही बीज बन पाते हैं।

तना गलन

यह रोग स्क्लेरोटिनिया स्क्लेरोटियोरम कवक से होता है। रोग के लक्षण के आधार पर इसे श्वेत-अंगमारी, तना विगलन, शाखा विगलन, शिखर विगलन तथा कैंकर कई नामों से जाना जाता है। तने के निचले भाग में मटमैले या भूरे रंग के फफोले दिखाई देते हैं। प्रायः यह फफोले रूई जैसे सफेद जाल से ढ़के रहते हैं। पत्तों पर इसके लक्षण कम दिखाई देते हैं। इसी कारण जब तक कि पूरा का पूरा पौधा अंदर से गल न जाए, रोगग्रस्त पौधे आसानी से पहचान में नहीं आता। ये फफोले तने व पत्तों को इस तरह ढ़क लेते हैं कि पौधा मुरझाकर लटक जाता है अंत में सूख जाता है। इस रोग के प्रभाव से पौधा बोना हो जाता है और समय से पहले ही पक जाता है। रोग के बीजाणु काले उड़द के दानों की तरह तने के भीतरी भाग में पनपते हैं जिससे कि बाहर से देखने पर उसका आभास ही नहीं हो पाता। कई बार ये बीजाणु तने की ऊपरी सतह पर भी दिखाई देते हैं।

औरोबंकी या आग्या

सरसों, तोरिया, राया फसलों पर औरोबंकी इलिप्टिका परजीवी का प्रकोप होता है। औरोबंकी से ग्रस्त पौधे सरसों के छोटे रह जाते है और कभी-कभी मर भी जाते हैं। औरोबंकी के चूषकांग (हॉस्टोरिया) सरसों की जड़ो में घुसकर पोषक तत्व प्राप्त करते हैं। सावधानी से उखाड़ कर देखें तो पता चलता है कि औरोबंकी की जड़े सरसों की जड़ों के अंदर घुसी हुई दिखती है। सरसों के पौधे के नीचे मिट्टी से निकलते हुए औरोबंकी परजीवी दिखाई पड़ते है।

सरसों में समन्वित रोग प्रबंध

- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा तथा डाऊनी मिल्ड्यू रोग लगता है। उन क्षेत्रों में एपरॉन 35 एसडी का बीजोपचार करें।
- जिन क्षेत्रों में तना गलन का प्रकोप होता है वहां कार्बेण्डाजिम 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें या थायोफिनेट मिथाईल 2 ग्राम प्रति किलो से बीजोपचार करें।
- फसल की सिंचाई आवश्यकतानुसार करें तथा खेत में जल निकास की उचित व्यवस्था करें।
- बुवाई समय पर यानि अक्टूबर माह के अंत तक पूरी कर देनी चाहिये देरी से बुवाई में अधिक रोग लगते है।
- पौधों में फूल आने पर 0.1 प्रतिशत पर से कार्बेन्डाजिम अथवा थायोफिनेट मिथाइल को 20 दिन के अंतराल में दो बार (बुवाई के 50 एवं 70 दिन बाद) पत्तियों पर छिड़काव करने से सरसों में तना गलन को नियंत्रित किया जा सकता है।
- सरसों में सफेदरोरी, झुलसा एवं डाऊनी मिल्ड्यू का प्रकोप जहां होता है वहां इन रोगों के लक्षण दिखाई देते ही रिडोमिल एम जेड या मेन्कोजेब 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें आवश्यकतानुसार पुनः 15 दिन बाद दोहरावें।
- जिन क्षेत्रों में छाछिया रोग का प्रकोप होता है वहां रोग नियंत्रण के लिए केराथेन 0.1 प्रतिशत या घुलनशील गंधक 0.2 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें या गंधक चूर्ण 25 किलो प्रति हेक्टेयर का भुरकाव करें।
- जहां औरोबंकी का प्रकोप अधिक होता है वहां औरोबंकी परजीवी को हाथ से उखाड़कर या सावधानी से कसी से निराई-गुड़ाई द्वारा जमीन के ऊपर के तने को काटकर बीज बनने से पहले ही नष्ट कर देना चाहिये।
- औरोबंकी के पौधों पर दो बूंद सोयाबीन के तेल का डाल देने से भी पौधा मर जाता है। यदि रसायनों का प्रयोग करना है तो सावधानी से औरोबंकी पर ग्लाइफोसेट 0.4 प्रतिशत घोल का छिड़काव करें ध्यान रहे सरसों पर न गिरे।
- जहां सफेदरोरी का प्रकोप अधिक होता है वहां बेसिका अल्बा, ब्रेसीका केरीनेटा, ब्रेसीका नेपस का जातियां सफेदरोरी व अन्य रोगों से रोधी है उपयोग में लावें।
- तना गलन का प्रकोप होता है वहां धान व मक्का का फसल चक्र अपनावें, औरोबंकी ग्रसित क्षेत्रों में अरंडी का फसल चक्र अपनावें। उड़द एवं सरसों की क्रमवार बुवाई से भी तना गलन कम होता है।
- नए क्षेत्रों में औरोबंकी या अन्य रोगी खेत से बीज का प्रवेश नहीं होने देना चाहिये तथा परजीवी के बीज रहित सरसों के शुद्ध बीज का उपयोग करना चाहिये।

अरहर फसल को कीटों के प्रति अधिक सावधानियां रखनी होती है क्योंकि इस फसल में भी अन्य फसलों की तरह अंकुरण से लेकर पकने तक की अवस्था में विभिन्न प्रकार के कीटों का आक्रमण होता है परंतु फूल एवं फली वाली अवस्था में प्रकोप होने पर उत्पादन में कमी आ जाती है। इन अवस्थाओं में आर्थिक रूप से हानि पहुंचाने वाले प्रमुख कीटों को मुख्य रूप से दो भागों में विभाजित किया जा सकता है-

भेदक कीट

हरी रोंयेदार इल्ली या पिच्छकी शलभ (प्लूम मॉथ), चने की इली (हेलिकोवर्पा आर्मीजेरा), फली मक्खी (पॉड फ्लाई), चित्तीदार फली भेदक (स्पाटेड पॉड बोरर) आदि।

रसचूसक कीट

भूरा फली बग (क्लेवीग्रेला गिब्बोसा) आदि।

समन्वित कीट प्रबंधन की विभिन्न विधियों का विवरण इस प्रकार है-

- फसल अवशेषों को नष्ट तथा ग्रीष्मकालीन गहरी जुताई करना चाहिये।
- अरहर की जल्दी पकने वाली जातियों का चुनाव करें जैसे- प्रगति, जाग्रति, उपास 120, प्रभात आदि।
- जिन क्षेत्रों में चित्तीदार फली भेदक का प्रकोप अधिक होता है वहां पर मध्यम अवधि की किस्मों की खेती करें जैसे आशा, नं. 148 आदि। इन जातियों में कीट प्रकोप कम होता है।
- प्रारंभिक अवस्था में हरी रोयेंदार इल्ली (पिच्छकी शलभ) की हरे या भूरे रंग की इल्लियों तथा शंखियों को इकट्ठा कर नष्ट कर दें।
- चने का फली भेदक प्रकोपित क्षेत्रों में फेरोमेन प्रपंच का उपयोग करें तथा हर दिन सुबह इनमें इकट्ठी पंखियों को नष्ट कर दें। एक हेक्टेयर में 5 फेरोमेन प्रपंच लगाना चाहिए। इन प्रपंचों में प्रयुक्त सेप्टा को 15 दिन बाद बदल दें।

अरहर में एकीकृत कीटनाशी प्रबंधन

- प्रकाश प्रपंच का उपयोग करें तथा सुबह इनमें इकट्ठा प्रौढों को नष्ट कर दें।
- खेत के अन्दर 4 से 5 मीटर की दूरी पर टी आकार की बांस की खूंटियों को, जिसकी लगभग ऊंचाई फसल से 30 से.मी. अधिक हो, लगा दें।
- अरहर की फसल में हानिकारक कीटों के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के परभक्षी मित्र जीव (मकड़ी, बड़ा पतंगा, मेन्टिड, कावसीनेला, रिजूविड बग, क्रायसोपा आदि) परजीवी मित्र कीट (एपेन्टेलिस, ब्रेकान, ग्रायन, डायडिगमा, केम्पोलेटिस आदि) तथा रोगाणु पाये जाते हैं। अतः कीटनाशकों का प्रयोग बहुत सोच समझकर करें ताकि मित्र जीवों का संरक्षण एवं संवर्धन फसल के अंदर होता रहे।
- हानिकारक कीटों के सर्वेक्षण के अंतर्गत फसल पर फूलने एवं फली भरने की अवस्था पर हानिकारक कीट एवं उनके प्राकृतिक शत्रु (मित्र कीट) की संख्या के आकलन हेतु सामान्य नजरिया आकलन सप्ताह में दो बार करना चाहिये।
- अरहर में फूल आने की अवस्था में जब कीड़े आर्थिक हानि स्तर पर पहुंचने लगे या हानिकारक कीटों एवं लाभदायक जीवों का अनुपात 1: 05 होने पर सतर्क हो जायें तथा कम अनुपात होने पर कीटनाशकों का उपयोग करें। पहला छिड़काव 10 दिनों के अंतराल पर एन. पी. वी.(न्यूक्लियर पालीहाइड्रोसिस वायरस) का 250-500 एल.ई. या नीम तेल का 2.5 लीटर प्रति हेक्टेयर छिड़काव करें। यह नव विकसित इल्लियों के नियंत्रण के लिये काफी कारगर होता है।
- कीटों के अधिक प्रकोप होने की स्थिति में रसायनिक नियंत्रण के लिए प्रथम छिड़काव मेलाथियान 50 ई.सी. 35 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से एवं उसके 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव इसके बाद भी आवश्यकता पड़ने पर फिर से 15 दिन बाद तीसरा छिड़काव क्लोरोपायरीफॉस 20 ई.सी. एक लीटर प्रति हेक्टेयर के हिसाब से करें। हमेशा अदल-बदल कर कीटनाशकों का उपयोग करें।

उक्त समन्वित विधियों को अपनाकर किसान भाई अरहर के हानिकारक कीटों

का प्रभावशाली ढंग से प्रबंधन कर अपनी आर्थिक स्थिति सुधार सकते हैं। साथ ही कीटनाशकों से होने वाली प्रदूषण की समस्याओं को भी कम कर सकते हैं।

सावधानी से करें यूरिया का उपयोग

यूरिया का वर्गीकरण

यूरिया बहुउपयोगी उत्पाद है जिसको निम्न लिखित तीन वर्गों में विभाजित किया गया है.

कृषि ग्रेड यूरिया

कृषि फसलों एवं उद्यानिकी फलों, मसाला, सब्जियों आदि हेतु.

पशु आहार ग्रेड यूरिया

विभिन्न श्रेणी के पशुओं के दूध बढ़ाने फैट की मात्रा बढ़ाने तथा प्रोटीन के प्रमुख स्रोत हैं.

टेक्निकल ग्रेड यूरिया

औद्योगिक उत्पाद के लिए पेड़-पौधों को यूरिया की उपलब्धता तथा प्रतिकूल परिस्थितियों में नत्रजन की क्षति - यूरिया का उपयोग मुख्य रूप से दो प्रकार से फसलों की आयु, वृद्धि की स्थिति, खेत की मिट्टी, जल स्तर, मिट्टी की अम्लता एवं क्षारीयता आदि स्थितियों के आधार पर किया जाता है। ठोस गोलियों के रूप में यूरिया को खेत की तैयारी के समय अन्य कार्बनिक खाद, स्फुर, पोटाश, सूक्ष्म तत्वों के साथ डाला जाता है। परंतु यह ध्यान रखें कि यूरिया कम से कम 3 इंच गहराई तक डाला जावे जिससे वह जमीन के अंदर अन्य जैविक स्रोतों, उपस्थित एंजाइम आदि के संयोजन से पौधों को उपलब्ध हो सके। समुचित नमी के अभाव में अथवा आक्सीजन की कमी आदि के कारण यूरिया के नत्रजन की गैस रूप में क्षति होती है। यदि भूमि अम्लीय एवं क्षारीय हो तो यूरिया न डाला जाए क्योंकि यूरिया उर्वरक की विशेषता है कि वह न तो अम्लीयता और न क्षारीयता के रासायनिक क्रिया में न्यूट्रल रहता है। यूरिया की खास विशेषता है कि वह पौधों को नाइट्रेट के रूप में नत्रजन देती है परंतु रासायनिक क्रियाओं में न्यूट्रल रहती है। जल में शीघ्रता से घुल जाती है तथा मिट्टी इसे अपने में सोख लेती है। खड़ी फसल में यूरिया कई बार पौधों की वृद्धि के अनुसार छिड़क कर दिया जाता है परंतु ऊपरी सतह पर सिंचाई करना जरूरी है।

यूरिया घोल के रूप में छिड़कना

यूरिया को ठोस उर्वरक के रूप में उपयोग करने के साथ विपरीत परिस्थितियों में घोल के रूप में देना विशेष लाभप्रद है। क्योंकि उर्वरक की मात्रा कम लगती तथा उसका प्रभाव पत्तियों पर शीघ्र पड़ता है। घोल के रूप में यूरिया छिड़कते समय वायुमंडलीय आर्द्रता, पौधों की आयु, वानस्पतिक वृद्धि, पत्तियों का अच्छा विकास, पत्तियों में संचयित शकर की मात्रा के आधार पर घोल की सांद्रता निर्धारित करें। यूरिया को घोल के रूप में देते समय कीटनाशक दवाओं, फफूंदनाशक दवाओं, खरपतवारनाशक दवाओं के साथ मिलाकर छिड़कने से विशेष लाभ होता है परंतु ऐसे मिश्रण बनाते समय रसायनों का फैलाना आदि किसी कृषि जानकर वैज्ञानिक की सलाह से करना उचित होगा।

यूरिया घोल का छिड़काव किस प्रकार के स्प्रेयर से करें तथा घोल की सांद्रता कितनी रखी जावे

सामान्यतः ग्रामीण क्षेत्रों में नेपसेक स्प्रेयर (हॉइवाल्यूम) आसानी से उपलब्ध होते हैं। उसमें फाइन नोजल रखा जावे तथा 6% घोल 600-800 लीटर पानी में घोलकर छिड़कें। मुलायम, नवीन पत्तियों वाले पौधों पर पतला घोल तथा वयस्क एवं हाई पौधों की सांद्रता वैज्ञानिकों के द्वारा की गयी अनुशंसा के आधार पर करें।

निम्न परिस्थितियों में यूरिया घोल को छिड़काव करना चाहिए -

- जब खेत में आधार या टाप ड्रेसिंग तरीके से उर्वरक देना संभव न हो।
- खेत की तैयारी हेतु समय कम हो।
- क्षारीय एवं अम्लीय मिट्टियां तथा मरुभूमि में।
- फसल प्रतिस्पर्धा तथा भूमि स्थिति ठीक न हो।
- जब पौधे की गुणवत्ता तथा मरम्मत आदि निर्धारित हो।
- जब उर्वरक महंगा एवं अनुपलब्ध हो।
- असिंचित एवं बारानी भूमि।
- जब फसल कमजोर एवं क्षतिग्रस्त हो।

यूरिया का विकार बाइयुरेट

जब यूरिया की प्रिल (गोलियां अधिक (उच्च) तापमान एवं दाब पर बनाई जाती हैं तो समय अधिक लगने से यूरिया में एक अशुद्धि हो जाती है उसे 'बाइयुरेट' कहते हैं। जिन यूरिया में 1-2 प्रतिशत तक बाइयुरेट हो तो उसे आधार खाद या टाप ड्रेसिंग के लिए दिया जाये परंतु घोल के रूप में 0.300-0.4% के बाइयुरेट वाली यूरिया पशु आहार के रूप में उपयोग की जाती है। वह पशु आहार के लिए उपयुक्त है।

यूरिया घोल छिड़कते समय निम्न बातों पर ध्यान दें-

- यूरिया घोल की सांद्रता पौधों की आयु, वृद्धि के आधार पर निर्धारित करें।
- पत्तियों का अच्छा फोलरिज हो।
- हवा एवं वर्षा की स्थिति में छिड़काव न करें.
- दिन के गर्म अवधि में छिड़काव न करें.
- स्प्रेयर का नोजल महीन बूंदें दें।
- यूरिया घोल में कीटनाशक, फफूंदनाशक, खरपतवारनाशक दवाओं का उचित मिश्रण बनाकर ही छिड़काव करें।

सिंगापुर में एनआरआई भारतीय महिला को दी नस्लीय गालियां, छाती पर मारी लात... कोर्ट में आपबीती सुना रो पड़ी पीड़िता

सिंगापुर (एजेंसी) एक भारतीय मूल की 57 वर्षीय महिला पर नस्लीय टिप्पणी करने और उसकी छाती पर लात मारने के आरोप में सिंगापुर की एक अदालत में बुधवार को सुनवाई हुई। आरोप है कि करीब दो साल पहले एक व्यक्ति ने कथित तौर पर हिंडोचा नीता विष्णुभाई की छाती पर जोरदार तरीके से वार किया था। न्यूज़ एजेंसी की एक रिपोर्ट के अनुसार चुआ चू कांग हाउसिंग एस्टेट में हुई घटना के दौरान महिला को काफी चोटें भी आई थीं। अदालत के दस्तावेजों के अनुसार, अभियुक्त वोंग जिंग फेंग पर हिंडोचा को नस्लीय गालियां देने का आरोप है, जिसका उद्देश्य उसकी भावनाओं को आहत करना था. वोंग पर हिंडोचा की छाती पर लात मारकर स्वेच्छा से चोट पहुंचाने का भी आरोप है. हालांकि बहस के दौरान आरोपी ने सभी आरोपों से इंकार किया. रिपोर्ट के मुताबिक हिंडोचा को अभियोजन पक्ष के पहले गवाह के रूप में बुलाया गया था, लेकिन अदालत कक्ष में जाते ही वह प्रकरण को याद कर भावुक हो गईं। हिंडोचा ने बताया कि वह आमतौर पर काम करने के लिए तेज-तेज चलती हैं, क्योंकि उनके पास काम से पहले किसी अन्य प्रकार के व्यायाम करने का समय नहीं होता है और अधिक स्वतंत्र रूप से सांस लेने के लिए उन्होंने अपने चेहरे के मास्क को ठोड़ी तक खींच लिया था. उस दौरान, सिंगापुर ने COVID-19 नियमों को अनिवार्य कर दिया था, जिसमें कहा गया था कि जब तक कोई व्यक्ति व्यायाम नहीं कर रहा हो, तब तक हर कोई अपने चेहरे पर मास्क लगाए रखे. उन्होंने अदालत को आगे बताया कि जब वह नॉर्थवेल कॉन्डोमिनियम के बगल में एक बस स्टॉप के पास पहुंच रही थी, तो उसने किसी को पीछे से चिल्लाते हुए सुना। इसके बाद आरोपी वहां आकर महिला से बहस करने लगा। इस दौरान उसने नस्लीय टिप्पणियां और तेजी से महिला की छाती पर लात मारकर उसे घायल कर दिया। हालांकि वोंग के वकील ने हिंडोचा को बताया कि महिला व्यायाम नहीं कर रही थीं और उसके पास अपना मास्क नीचे खींचने का कोई कारण नहीं था. उन्होंने कहा कि वोंग ने उसके खिलाफ अश्लीलता का इस्तेमाल नहीं किया था और उसे सीने में लात भी नहीं मारी थी।

*** अभियुक्त वोंग जिंग फोंग पर महिला को नस्लीय गालियां देने का आरोप है। अदालत कक्ष में जाते ही महिला प्रकरण को याद कर भावुक हो गई।**
*** आरोपी ने तेजी से महिला की छाती पर लात मारकर उसे घायल भी कर दिया था।**

वोंग ने यह भी दावा किया कि हिंडोचा ने उस पर थूका, और उसे व्यंग्यात्मक रूप से कहा कि वह तेज-तर्रार है और उसे अपने काम से काम रखना चाहिए। आपको बता दें कि सिंगापुर में किसी को स्वेच्छा से चोट पहुंचाने का दोषी पाए जाने पर तीन साल तक की जेल या तीन लाख रुपयों तक का जुर्माना या दोनों हो सकते हैं।

साइबेरियाई शहर ओमस्क के बाहर एक मठ के पास माइनस -12 डिग्री तापमान में तालाब में स्नान करती एक महिला।

दिखती है फेमस सेलिब्रिटी की हमशक्ल!

OMG: 17 की उम्र में गंवाई वर्जिनिटी, अब 8 लाख खर्च कर पाई दोबारा

आज के समय में वन नाइट स्टैंड और कैजुअल रोमांस इतना आम कॉन्सेप्ट बन चुका है कि लड़के-लड़कियों के लिए वो मामूली बाते हैं. उन्हें वर्जिटी जैसे मुद्दे फिजूल के लगते हैं. ऐसे में वो मल्टिपल पार्टनर्स में यकीन रखते हैं। पर एक अमेरिकी युवती के लिए वर्जिनिटी का मुद्दा इतना महत्वपूर्ण है कि एक बार उसे गंवाने के बाद उसके सिर पर दोबारा वर्जिन बनने का भूत सवार हो गया. अपने इस शौक को पूरा करने के लिए उसने पैसों को पानी कि तरह बहा दिया और विचित्र सर्जरी करवाकर फिर से 'कुंवारी' बन गई! न्यूयॉर्क पोस्ट की रिपोर्ट के अनुसार मियामी की रहने वाली 22 साल की सोशल मीडिया इंफ्लूएंसर जूलिया मेडिरोस इन दिनों काफी चर्चा में हैं. वो ब्राजील की मूल निवासी हैं और कुछ दिन पहले भी वो अपने लुक को लेकर चर्चा में आई थीं. दरअसल, जूलिया एक फेमस अमेरिकी सेलिब्रिटी से मिलती हैं जिनका नाम कायली जेनर है। कायली एक बिजनेसवुमन, मॉडल, इंफ्लूएंसर और मीडिया पर्सनालिटी हैं जिनके लुक्स के लाखों दीवाने हैं. जब से लोगों ने जूलिया को देखा है, उन्हें कायली का हमशक्ल बताने लगे हैं. हालांकि, काइली जैसा दिखने के लिए जुलिया ने काफी पैसे खर्च किए थे. पर अब जूलिया एक दूसरी वजह से सुर्खियां बटोर रही हैं.

8 लाख रुपये खर्च कर दोबारा हासिल की वर्जिनिटी

रिपोर्ट के अनुसार जूलिया ने अपनी वर्जिनिटी को वापिस हासिल कर लिया है. ऐसा करने के लिए उन्होंने 8 लाख रुपये सर्जरी पर खर्च कर दिए हैं. जूलिया ने बताया कि जब वो 17 साल की थीं, तब एक 30 साल के शख्स से प्यार कर बैठीं. दोनों ने शारीरिक संबंध बने, उसने शादी का भरोसा दिया, मगर जब उसने कायली का फायदा उठा लिया तो उनसे अलग हो गया।

प्यार में उम्र का धोखा! मेकअप का कमाल, जिसे समझा यंग प्रेमिका वो जल्द बनने वाली है दादी मां, खुलासा हुआ तो..

बीजिंग। चीन में एक लव स्टोरी का हैरान करने वाला मामला सामने आया है. यहां एक शख्स अपनी प्रेमिका की उम्र को लेकर मात खा गया। 31 वर्षीय एक व्यक्ति जिस महिला को 30 वर्षीय प्रेमिका समझकर उसके साथ जिंदगी बिताने के सपने देख रहा था वो जल्द दादी बनने वाली थी. जब यह सच्चाई उस शख्स को पता चली तो उसके पैरों तले जमीन खिसक गई। चीन के हेनान प्रांत की यह घटना सोशल मीडिया के साथ वहां की मीडिया में भी चर्चा का विषय बनी हुई है। पूरा मामला चीन के हेनान प्रांत का है। यहां के गुओ नाम के व्यक्ति ने अपने साथ हुए धोखे का खुलासा किया. गुओ ने बताया कि उसकी प्रेमिका जिसे वो 30 साल की महिला समझ रहा था वो 44 साल की निकली. गुओ ने बताया कि वो दोनों पिछले साल अक्टूबर में मिले थे।

नई पेंशन योजना के खिलाफ फ्रांस में जबरदस्त प्रदर्शन, रिटायरमेंट की उम्र बढ़ाने पर तकरार, हिंसा की आशंका बढ़ी

*** नया बिल पारित होने के बाद रिटायरमेंट की आधिकारिक उम्र को 62 से बढ़ा कर 64 कर देगा**
*** प्रदर्शनों के कारण इंटरसिटी और कंप्यूटर ट्रेन सेवाओं के बुरी तरह बाधित होने की आशंका**
*** 2027 से लोगों को पूर्ण पेंशन के लिए 43 साल काम करना होगा**

पेरिस। (एजेंसी)राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों द्वारा किए जा रहे सुधार कार्यक्रमों में शामिल नई पेंशन योजना अब देश व्यापी प्रदर्शनों का कारण बन गई है. 'फ्रांस 24' की एक रिपोर्ट के अनुसार फ्रांसीसी यूनियनों ने सेवानिवृत्ति की उम्र को बढ़ाने की योजना के खिलाफ गुरुवार को बड़े पैमाने पर हड़ताल और विरोध प्रदर्शन किया. नया बिल सांसद से पारित होने के बाद रिटायरमेंट की आधिकारिक उम्र को 62 से बढ़ा कर 64 कर देगा और साथ ही पूर्ण पेंशन के लिए जरूरी न्यूनतम सेवा काल की अवधि को भी बढ़ा देगा। इन प्रदर्शनों के कारण इंटरसिटी और कम्प्यूटर ट्रेन सेवाओं के बुरी तरह बाधित होने की आशंका है. कई स्कूल और अन्य सार्वजनिक सेवाएं बंद रहेंगी। पेरिस के ओरली हवाईअड्डे पर पांच में से एक उड़ान रद्द कर दी गई है। साथ ही पेरिस मेट्रो में केवल दो चालक रहित लाइनें सामान्य रूप से काम करेंगी. पेरिस और अन्य शहरों में हजारों की संख्या में बड़े प्रदर्शनों की उम्मीद है, जहां अल्ट्रा-लेफ्ट ब्लैक ब्लॉक घुसपैठियों के हिंसा करने की भी आशंका है। अब 43 साल काम करना जरूरी प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न द्वारा इस महीने की शुरुआत में उल्लिखित प्रस्तावों के तहत, 2027 से लोगों को पूर्ण पेंशन के लिए 43 साल काम करना होगा, जबकि अभी यह 42 साल है। फ्रांस की शेयर-आउट पेंशन प्रणाली की सुरक्षा के लिए एक महत्वपूर्ण उपाय के रूप में बताई जा रही इस योजना को लोगों ने नकार दिया है. पोल के अनुसार सुधार जनता के बीच गहराई से अलोकप्रिय साबित हो रहा है। 68% ने कहा कि वे विरोध कर रहे हैं. वहीं फ्रांसीसी मीडिया ने बताया है कि पुलिस पेरिस में 50,000 से 80,000 सहित 550,000 से 750,000 प्रदर्शनकारियों के लिए योजना बना रही है. आंतरिक मंत्री गेराल्ड डर्मेनिन ने बुधवार को कहा कि प्रदर्शनों को देखते हुए 10,000 पुलिसकर्मी सतर्क रहेंगे।

क्या है आइसब्यूरियल तकनीक ? जिससे चीन कोविड से मरे लोगों का कर रहा अंतिम संस्कार

बीजिंग (एजेंसी)। COVID-19 के कारण चीन में जीवन पूरा अस्त-व्यस्त हो गया है. जीरो कोविड पॉलिसी में ढील देने के बाद से देश में कोरोना ने बुरी तरह से तबाही मचाई हुई है। चीन में मौतों की बढ़ती संख्या के बीच अब देश ने आइसब्यूरियल तकनीक पेश की है ताकि शवगृहों में भीड़ कम हो सके। इस तरीके का परीक्षण चीन के वुहान शहर में किया जा रहा है. यह जानकारी चीन में कोरोना से पैदा हुई वहां की स्थिति को रिपोर्ट करने वाली जेनिफर ज़ेंग द्वारा दी गई है। समाचार एजेंसी एएनआई की रिपोर्ट के अनुसार, जेनिफर ज़ेंग ने बताया, इस प्रकार का अंतिम संस्कार परीक्षण वुहान शहर में किया जा रहा है, जिसमें लाशों को तुरंत तरल नाइट्रोजन में माइनस 196 डिग्री पर जमाया जाता है, और फिर उसे पाउडर के रूप में बदल दिया जाता है। लेकिन एक ट्विटर यूजर ने बताया कि इन उपायों का लेख मार्च 2022 में ही प्रकाशित हुआ था तो जेनिफर ने बताया कि यह वीडियो सितंबर 2022 में पोस्ट हुई होगी यानी जब कोरोना पहले दौर में था तभी से इस तकनीक का इस्तेमाल किया जा रहा है। गौरतलब है कि यह पहली बार नहीं है जब किसी मृत शरीर का अंतिम संस्कार करने के लिए आइसब्यूरियल तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। 2016 में भी एक स्वीडिश और एक आयरिश कंपनी ने दफनाने के लिए ऐसे नए रूपों को विकसित किया था। मृत शरीर को खत्म करने के लिए इस प्रक्रिया में लिक्विड नाइट्रोजन की आवश्यकता पड़ती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार, चीन में कोविड संक्रमितों की संख्या पिछले सप्ताह की तुलना में 70 प्रतिशत बढ़कर 63,307 हो गई है। डब्ल्यूएचओ द्वारा गुरुवार को प्रकाशित एक साप्ताहिक रिपोर्ट के अनुसार, 15 जनवरी को चीन के अस्पतालों में अधिक मौतें दर्ज की गईं, जो कि महामारी शुरू होने के बाद सबसे अधिक हैं. बता दें कि दिसंबर की शुरुआत में, बीजिंग ने व्यापक विरोध के बाद कोविड टेस्टिंग, यात्रा प्रतिबंध और बड़े पैमाने पर लॉकडाउन को अचानक समाप्त कर दिया, तब से चीन में कोरोना ने आतंक मचा दिया है।

*** कोविड लाशों के अंतिम संस्कार के लिए चीन आइसब्यूरियल तकनीक का इस्तेमाल कर रहा है**
*** चीन के वुहान शहर में आइसब्यूरियल तकनीक का परीक्षण हो रहा है**
*** WHO ने बताया कि चीन में पिछले सप्ताह की तुलना में कोरोना संक्रमण 70% बढ़ गया है**

बोधगया: तिब्बती आध्यात्मिक नेता दलाई लामा बृहस्पतिवार को बोधगया के महाबोधि मंदिर में पूजा अर्चना करने पहुंचे ।

तिब्बत में बड़ा हादसा, भीषण हिमस्खलन में 8 की मौत, कई लोग लापता, चीन ने भेजी मदद

नई दिल्ली। तिब्बत में कुदरत के कहर ने 8 लोगों की जान ले ली. यहां के दक्षिण-पश्चिमी क्षेत्र के न्यिंगची शहर में हिमस्खलन से लगभग 8 लोगों की मौत हो गई. घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्य जारी है. राज्य की मीडिया ने इस घटना की जानकारी दी. हिमस्खलन के बाद चीनी सरकार ने शवों की बरामदगी और लापता लोगों की मदद के लिए एक टीम भेजी है. बताया गया कि मेनलिंग काउंटी में पाई गांव और मेडोग काउंटी में डोक्सोंग ला सुरंग के बीच से बाहर निकलने वाली सड़क के एक हिस्से पर मंगलवार रात करीब 8 बजे हिमस्खलन हुआ, जिसमें अभी भी कई लोग लापता है।

डोनाल्ड ट्रंप का वीडियो वायरल, अब तक लाखों लोगों ने देखा, टेलर स्विफ्ट भी बनीं चर्चा का विषय

अमेरिका (एजेंसी)अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है. वीडियो में ट्रंप अमेरिकी पॉप सिंगर टेलर स्विफ्ट का गाना सुनते हुए दिखाई दे रहे हैं. 'रोल्स रॉयस' गाड़ी चलाते हुए ट्रंप टेलर स्विफ्ट के गाने का आनंद ले रहे हैं. इस दौरान उनकी पत्नी और बेटा भी साथ हैं. यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल है. लाखों लोग अब तक इस वीडियो को देख चुके हैं. लोगों ने वीडियो को लेकर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दी हैं। बिलबोर्ड की रिपोर्ट के मुताबिक, यह वीडियो 2014 का है. साल 2014 में ही 'ब्लैंक स्पेस' का एलबम '1989' रिलीज हुआ था. 'ब्लैंक स्पेस' गाना तब बिल्कुल नया था. यह पॉप संगीत की दुनिया में तहलका मचा रहा था. वीडियो में दिख रहा है कि ट्रंप अपने परिवार के साथ कहीं घूमने निकले हैं. उनके साथ बेटा बैरोन (तब 8 साल का) सामने बैठा था और मेलानिया पीछे की सीट से वीडियो रिकॉर्ड कर रही थीं।

डोनाल्ड ट्रंप का वीडियो वायरल, अब तक लाखों लोगों ने देखा, टेलर स्विफ्ट भी बनीं चर्चा का विषय

ग्लोबल टेररिस्ट घोषित होते ही बिलबिलाया मक्की, बोला- मैं तो ओसामा से कभी मिला तक नहीं..

लाहौर। पाकिस्तान स्थित लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) के उप प्रमुख अब्दुल रहमान मक्की ने लाहौर की कोट लखपत जेल से एक वीडियो जारी किया है. मक्की ने इस वीडियो में कहा 'मेरा मानना ??है कि मेरी लिस्टिंग का आधार भारत सरकार की गलत सूचना पर आधारित है. मैं ओसामा बिन लादेन, अयमान अल-जवाहिरी या अब्दुल्ला आजम से कभी नहीं मिला, लेकिन कुछ प्रचार रिपोर्टों में आरोप लगाया गया है.'

मक्की ने अल-कायदा के विचारों और कार्यों की भी निंदा की और कहा कि अलकायदा जिस चीज में विश्वास करते है, मैं उसके बिल्कुल विपरीत हूं. उन्होंने यूएनएससी के फैसले पर खेद जताते हुए कहा, 'इन लिस्टिंग के संबंध में न तो कोई उचित प्रक्रिया का पालन किया गया और न ही जानकारी दी गई.' विशेष रूप से, मक्की सहित पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों को सूचीबद्ध करने के लिए भारत के अथक प्रयासों को अंतत: 'वैश्विक आतंकवादी' के रूप में सूचीबद्ध किया गया था.

भारत ने कुल पांच नाम प्रस्तुत किए थे

सूत्रों के अनुसार, भारत ने 2021-22 के दौरान अपने संयुक्त राष्ट्र कार्यकाल की सर्वोच्च प्राथमिकता पाकिस्तान स्थित आतंकवादियों की सूची बनाई थी. 2022 में 1267 के तहत पदनाम के लिए भारत द्वारा कुल पांच नाम प्रस्तुत किए गए थे: अब्दुल रहमान मक्की (एलईटी), अब्दुल रऊफ असगर (जैश-ए-मोहम्मद, जेईएम), साजिद मीर (एलईटी), शाहिद महमूद (एलईटी), और तलहा सईद (एलईटी)

भारत और अमेरिका ने पहले ही मक्की को आतंकी घोषित किया था

भारत और अमेरिका पहले ही मक्की को अपने घरेलू कानूनों के तहत आतंकवादी के रूप में सूचीबद्ध कर चुके हैं. वह धन जुटाने, भर्ती करने और युवाओं को हिंसा के लिए कट्टरपंथी बनाने और भारत में, विशेष रूप से जम्मू और कश्मीर में आतंकी हमलों की योजना बनाने में शामिल रहा है. मक्की ने लश्कर के भीतर विभिन्न भूमिकाएं निभाई हैं, जो अमेरिका द्वारा नामित विदेशी आतंकवादी संगठन (स्नञह) है. लश्कर के संचालन के लिए धन जुटाने में भी वह भूमिका निभा रहा है. अमेरिकी विदेश विभाग के अनुसार, 2020 में, एक पाकिस्तानी आतंकवाद-रोधी अदालत ने आतंकवाद के वित्तपोषण के एक मामले में मक्की को दोषी ठहराया और उसे जेल की सजा सुनाई।

नासा और बोइंग बना रहे हैं अगली पीढ़ी का विमान, ईंधन की खपत होगी बेहद कम

बोइंग का अनुमान है कि 2035 और 2050 के बीच नए सिंगल-आइज़ल विमानों की मांग में 40,000 विमानों की वृद्धि होगी।

वॉशिंगटन (एजेंसी) अमेरिकी स्पेस एजेंसी नासा और विमान निर्माता कंपनी बोइंग मिलकर एक ऐसे प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं जिससे भविष्य की उड़ानें पर्यावरण के अनुकूल हो सकेंगी। CNN की एक रिपोर्ट के अनुसार नासा और बोइंग इस दशक में उत्सर्जन कम करने वाले सिंगल-आइज़ल विमान के निर्माण, परीक्षण और उड़ान भरने के लिए सस्टेनेबल फ्लाइट डिमॉन्स्ट्रेटर प्रोजेक्ट पर एक साथ काम करेंगे। नासा के एडमिनिस्ट्रेटर नेल्सन ने एक बयान में कहा कि नासा का यह लक्ष्य है कि बोइंग के साथ उनकी साझेदारी एक डिमॉन्स्ट्रेटर इंजन का उत्पादन और परीक्षण करने में मदद करेगी जो भविष्य की कमर्शियल एयरलाइंस और दुनिया भर के यात्रियों के लिए लाभकारी होगा। स्पेस एजेंसी को उम्मीद है कि 2030 तक यह तकनीक आम उपयोग में आ सकेगी। इस प्रायोगिक विमान की पहली परीक्षण उड़ान 2028 में होने वाली है. नासा के मुताबिक इस नए विमान के माध्यम से लगभग 50% वाणिज्यिक बाजार को शुरुआती दौर में फायदा पहुंच सकता है. स्पेस एजेंसी ने बताया कि एयरलाइंस बड़े पैमाने पर सिंगल-आइज़ल वाले विमानों पर निर्भर हैं, जो दुनिया भर में लगभग आधे विमानन उत्सर्जन के लिए जिम्मेदार हैं. ईंधन के उपयोग को कम करने के लिए नई तकनीक विकसित करने से 2050 तक शुद्ध-शून्य विमानन कार्बन उत्सर्जन प्राप्त करने के बाइडेन प्रशासन के लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है, जैसा कि यूएस एविएशन क्लाइमेट एक्शन प्लान में निर्धारित किया गया है। ईंधन की खपत को करेंगे 30 प्रतिशत कम बोइंग का अनुमान है कि 2035 और 2050 के बीच नए सिंगल-आइज़ल विमानों की मांग में 40,000 विमानों की वृद्धि होगी. एजेंसी के अनुसार, नासा और बोइंग जिस डिजाइन पर काम कर रहे हैं, वह आज के सबसे कुशल विमानों की तुलना में ईंधन की खपत और उत्सर्जन को 30% तक कम कर सकता है। इसके लिए इसे ट्रांसोनिक ट्रस-ब्रेस्ड विंग तकनीक पर विकसित किया जायेगा, जो पंखों को विमान से जोड़ने वाले डायगोनल स्ट्रट्स द्वारा स्थिर करेगा. ऐसा डिजाइन का आकार कम ड्रैग बनाता है, जिसका अर्थ है कम ईंधन जलाना. सस्टेनेबल फ्लाइट डिमॉन्स्ट्रेटर अन्य हरित विमानन तकनीकों को भी शामिल करेगा।

*** इस तकनीक के आने के बाद भविष्य की उड़ानें पर्यावरण के अनुकूल हो सकेंगी।**
*** परीक्षण और उड़ान भरने के लिए प्रोजेक्ट पर एक साथ काम करेंगे नासा और बोइंग**
*** भविष्य की कमर्शियल एयरलाइंस और दुनिया भर के यात्रियों के लिए होगा लाभकारी**

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ये प्यार-व्यार कुछ नहीं होता.....

बेटी सज-धज कर निकले तो हो जाएं सतर्क... यूपी की महिला मंत्री प्रतिभा शुक्ला की नसीहत

*** इटावा में राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने स्कूली छात्राओं को किया संबोधित।**

*** मंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि इस उम्र में प्यार-व्यार कुछ नहीं होता।**

***उन्होंने पेरेंट्स को भी आगाह किया कि वे बच्चों पर ध्यान दें।**

इटावा (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी सरकार में महिला विकास राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला का एक बयान इन दिनों सुर्ख़ियों में बना हुआ है. 'बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ' के तहत राष्ट्रीय बालिका दिवस कार्यक्रम में शिरकत करने इटावा पहुंची राज्यमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने स्कूली छात्राओं को संबोधित करते हुए कहा कि हर मां को ये ध्यान रखना चाहिए कि इस उम्र में अगर बेटियां ज्यादा सजधज कर निकल रही हैं तो जरूर कहीं गड़बड़ है. सिर्फ इतना ही नहीं शुक्ला ने लड़कियों के साथ-साथ लड़कों को भी नसीहत दे डाली। उन्होंने कहा कि यदि बेटा है और वह अधिक खर्चा कहीं कर रहा है तो वहां भी गड़बड़ है।

राजयमंत्री प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि छात्राएं अपने स्कूली शिक्षा पर ध्यान दें. ये प्यार-व्यार कुछ नहीं होता है, ये सिर्फ अपोजिट सेक्स की तरफ आकर्षित करने के लिए है. इसको खुले तौर पर सभी स्कूलों में टीचर्स को बच्चों को बता देना चाहिए. उन्होंने कहा कि लड़कियां और लड़कों दोनों को सुधारने की जरूरत है। जब तक अपने लक्ष्य तक न पहुंचो तब तक इस चक्कर में नहीं पड़ना है. सपना देखना मत छोड़ो. शुक्ला ने कहा कि अभी स्कूली शिक्षा के दौरान अपने लक्ष्य की ओर ध्यान दें. प्यार-व्यार के चक्कर में ना पड़ें।

प्यार-व्यार सिर्फ अपोजिट सेक्स की तरफ आकर्षण

उन्होंने कहा कि 'मैं इसको साफ तौर पर कहना चाहती हूं कि सभी स्कूलों में शिक्षकों को चाहिए कि वो इस उम्र में बच्चों को इस बारे में बताएं कि प्यार-व्यार इश्क-विश्क कुछ नहीं होता, ये सिर्फ इस उम्र में सेक्स के प्रति आकर्षित करना होता है. प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि मां को विशेष तौर पर चाहिए कि वो अपने बच्चों पर विशेष ध्यान दें. वहीं बेटियों को चाहिए कि वो अपनी मां को अपना दोस्त समझें और हर बात को बताएं। मां को ये ध्यान रखना चाहिए कि इस उम्र में अगर बेटियां ज्यादा सजधज कर निकल रही हैं तो जरूर कहीं गड़बड़ है. यदि बेटा है और वह अधिक खर्चा कहीं कर रहा है तो वहां भी गड़बड़ है।

छात्रों को मोबाइल से बचने की सलाह

राज्यमंत्री ने छात्रों को मोबाइल से बचने की सलाह देते हुए कहा कि मोबाइल का ज्यादा इस्तेमाल भी नुकसानदायक होता है।

बच्चियों को अपने आप को सुरक्षित रखने के लिए अपने चरित्र को अच्छा बनाना होगा, प्यार करना है तो अपने लक्ष्य से करो अपने उद्देश्य करो। आज के माहौल में बेटियों को सुरक्षा एवं स्वावलंबन देने की जरुरत है, जिससे वो गलत रास्ते पर न जाएं. माता पिता एवं गुरु बेटियों के सबसे करीब होते है, इसलिए बेटियों को इन तीनों को सम्मान देना चाहिए। प्रतिभा शुक्ला ने कहा कि हमारे मुख्यमंत्री जी की मंशा है कि हमारी बेटी सुरक्षित रहें। उसी के चलते बच्चियों को संस्कारी बनाना होगा. महिला एवं पुरुष दोनों एक समान है, जब दोनों एक साथ चलेंगे तभी समाज आगे बढ़ेगा।

दिल्ली पुलिस का पंजाब में बड़ा ऑपरेशन, खालिस्तानी आतंकी के 2 गैंगस्टर को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी) दिल्ली पुलिस काउंटर इंटेलिजेंस यूनिट स्पेशल सेल का पंजाब में बड़ा ऑपरेशन करते हुए उसने 2 गैंगस्?टर को पंजाब से गिरफ्तार किया है. खालिस्तानी आतंकवाद नेटवर्क पर कमर तोड़ कार्रवाई करते हुए पुलिस ने राजन भट्टी और चीना को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है। ये दोनों ही ड्रग्स सप्लाई का काम करते हैं. वहीं वे खालिस्तानी आतंकी लांडा हरीके के नेटवर्क को पंजाब से ऑपरेट कर रहे थे।

सीएम हेमंत सोरेन ने अधिकारियों को चेताया, बोले- योजना में लेटलतीफी और अवैध खनन बर्दाश्त नहीं

रांची। झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन इन दिनों सरकारी पदाधिकारियों से नाराज दिख रहे है. बात चाहे खतियानी जोहार यात्रा के दौरान समीक्षा बैठक में सीओ को सस्पेंड करने की हो या झारखंड मंत्रालय से वीसी के जरिये राज्य के DC/SP को निर्देशित करने की। सीएम अब अधिकारियों की लापरवाही पर एक्शन के मूड में हैं. सीएम ने समय अवधि के अंदर विकास योजनाओं के निष्पादन को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। दरअसल सीएम हेमंत सोरेन ने राज्य के अधिकारियों को निदेशित किया कि राज्य सरकार द्वारा संचालित सभी योजनाओं का लाभ आम आदमी तक हर हाल में पहुंचे यह सुनिश्चित करें। रांची. झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेनइन दिनों सरकारी पदाधिकारियों से नाराज दिख रहे है। बात चाहे खतियानी जोहार यात्रा के दौरान समीक्षा बैठक में सीओ को सस्पेंड करने की हो या झारखंड मंत्रालय से वीसी के जरिये राज्य के निर्देशित करने की। सीएम अब अधिकारियों की लापरवाही पर एक्शन के मूड में हैं। सीएम ने समय अवधि के अंदर विकास योजनाओं के निष्पादन को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं।

'जिलों में जाकर योजनाओं की समीक्षा करें'

मुख्यमंत्री ने विभागीय सचिवों को निर्देश दिया कि वे भी अब शेड्यूल बनाकर जिलों में जाएं तथा संचालित योजनाओं की समीक्षा करें. जरूरत पड़ने पर विभागीय सचिव जिलों में जाकर औचक निरीक्षण भी करेंगे. जन उपयोगी योजनाओं की समीक्षा मुख्य सचिव भी अपने स्तर पर निरंतर करते रहेंगे. मुख्यमंत्री ने समीक्षा बैठक के दौरान अधिकारियों से कहा कि यह इंप्लीमेंट का वर्ष है. हम सभी को ग्राउंड रियलिटी पर कार्य करने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि पोर्टल में डाटा एंट्री कर देने से लोगों को लाभ नहीं मिल जाता है बल्कि जमीनी स्तर पर क्या कार्य हो रहे हैं उस पर नजर रखने की आवश्यक है. कई योजनाएं पोर्टल पर कुछ और दिखती हैं लेकिन जमीनी हकीकत कुछ और बयां करती है. रेवेन्यू जनरेट करने की जिम्मेदारी सरकार की है. रेवेन्यू जनरेट से संबंधित सभी कार्यों में तेजी लाएं.

सीएम ने इन योजनाओं

बता दें, सीएम हेमंत सोरेन ने गुरुवार को झारखंड मंत्रालय में राज्य के विभिन्न जिलों के उपायुक्त, वरीय पुलिस अधीक्षक एवं पुलिस अधीक्षकों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कार्य की समीक्षा की . समीक्षा बैठक में विधि-व्यवस्था, जोहार पोर्टल, मुख्यमंत्री सूखा राहत फं ड वितरण, 'आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार' के आवेदनों का निस्तारण, रेवेन्यू कलेक्शन, सुओ मोटो म्यूटेशन प्रणाली पर लंबी चर्चा हुई . मनरेगा, मुख्यमंत्री सूखा राहत योजना, छात्रवृत्ति वितरण इत्यादि कार्यों में तेजी लाने का निर्देश दिया गया। सीएम ने कहा कि जिलों के उपायुक्त इन सभी कार्यों की निरंतर समीक्षा करें तथा नोडल अधिकारियों को कर्तव्य बोध का एहसास दिलाते रहें।

मेंटर्स ने सरकारी स्कूलों के बच्चों को दिशा दी: सिसोदिया

*** राष्ट्र को दिशाहीन होने से बचाना उतना ही जरूरी है। जितना शत्रुओं से: सिसोदिया**

*** देश के मेंटर्स ने दिल्ली सरकार के स्कूलों के बच्चों को हौसला दिया है: सिसोदिया**

*** मेंटर कानक्लेव 2023 में शामिल हुए उपमुख्यमंत्री॥**

नई दिल्ली। उपमुख्यमंत्री व शिक्षा मंत्री मनीष सिसोदिया ने बृहस्पतिवार को इंदिरा गांधी दिल्ली टेक्निकल यूनिवतसटी फॉर वीमेन में आयोजित मेंटर कॉन्क्लेव 2023 में शानदार काम वाले मेंटर्स से उनके मेंटिरंग के अनुभवों को जाना और उन्हें सम्मानित किया। इस मौके पर सिसोदिया ने कहा कि वर्तमान समय में राष्ट्र को दिशाहीन होने से बचाना उतना ही आवश्यक है जितना देश को शत्रुओं से बचाना।

दिल्ली सरकार की प्रमुख पहल देश के 'मेंटर प्रोग्राम' के तहत मेंटर्स ने दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ने वाले सैकड़ों बच्चों के भविष्य को दिशा देने की दिशा में काम किया है। राष्ट्र निर्माण और राष्ट्र के भविष्य को सुरक्षित करने में यह उनका सबसे बड़ा योगदान है। इस कॉन्क्लेव का आयोजन दिल्ली बाल अधिकार संरक्षण आयोग (डीसीपीसीआर) द्वारा किया गया जिसमें आईजीडीटीयूडब्ल्यू की कुलपति अमिता देव डीसीपीसीआर के चेयरमैन अनुराग कुंडू अतिरिक्त शिक्षा निदेशक रीता शर्मा सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम में सिसोदिया ने कहा कि शिक्षा के क्षेत्र में जब हमने आउट ऑफबॉक्स जाकर सोचा तो देखा की इसमें एक चीज जो गायब है। वो है सपना।

पिछले सात साल में शिक्षा मंत्री के रूप में मैंने स्कूलों में लाखों बच्चों के साथ चर्चा की। इन सभी चर्चाओं में बच्चों का ड्रीम कहीं न कहीं मिसिंग था।

बच्चों से पूछो भविष्य में क्या करना है तो उनके पास उसका जवाब नहीं होता था। बच्चों के पास सपना नहीं था कि उन्हें आगे भविष्य में क्या करना है लेकिन देश के मेंटर कार्यक्रम ने इस गैप को भरने का काम किया है और बच्चों को ये डायरेक्शन दी है कि उन्हें अपने भविष्य में क्या करना है। किस क्षेत्र में जाना है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि मेंटिरंग का काम कोई छोटा काम नहीं बल्कि देश की बेहतरी को नया आयाम देने वाला एक महत्वपूर्ण काम है। उन्होंने कहा कि हमारे मेंटर्स जब अपने मेंटीज से बात करते होंगे तो उस दौरान उन्हें बहुत से उतार चढ़ाव का सामना करना पड़ता होगा लेकिन जब भी ऐसा हो तो हमारे मेंटर ये बात ध्यान रखे कि वो सिर्फ किसी एक बच्चे को भविष्य की राह नहीं दिखा रहे बल्कि देश के भविष्य को संवारने का काम कर रहे हैं।

7 महीने की दुधमुंही बच्ची को छोड़ प्रेमी संग भाग रही थी महिला, ऑन स्पॉट मिल गई सजा!

शाहजहांपुर (एजेंसी) सात महीने की दुधमुंही बच्ची को छोड़ प्रेमिका अपने प्रेमी के साथ बाइक से फ्रार होकर अपना दूसरा घर बसाने जा रही थी, लेकिन किस्मत को यह मंजूर नहीं था और रास्ते में उसे मौत मिल गई।

मामला यूपी के शाहजहांपुर का है जहां हुए हादसे में एक बहू अपनी सात माह की दुधमुंही बच्ची को ससुराल छोड़कर अपने प्रेमी संग भाग गई। अपने प्रेमी संग बाइक से भाग रही बहू को ट्रक ने कुचल दिया जिससे उसकी दर्दनाक मौत हो गई। मामला थाना अल्लाहगंज कस्बे का है.यहां गुरुवार की रात एक बहू नीरज अपने ससुराल में 7 माह की दुधमुंही बच्ची को छोड़कर अपने प्रेमी आकाश के साथ फ्रार हो गई। बाइक से जब वह अपने प्रेमी के साथ जा रही थी. इसी दौरान थाना रोजा इलाके में एक ट्रक ने उसे कुचल दिया, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। वहीं, उसका प्रेमी आकाश घायल हो गया घायल आकाश को मेडिकल अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसका इलाज किया जा रहा है. वहीं पुलिस ने बहू नीरज का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है. इस मामले में ससुराल पक्ष के लोगों ने प्रेमी सहित अज्ञात लोगों के खिलाफ थाने में केस दर्ज कराया है. पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

मैरिज एनिवर्सरी से पहले कर ली दूसरी शादी, बढ़ गया खर्चा, दोनों को खुश करने का निकाला जुगाड़ और फिर..

नई दिल्ली। दिलीप की जिंदगी में 2017 तक सबकुछ ठीक-ठाक चल रहा था। टोलेक्सो जैसे ऑनलाइन कंपनी में एक अच्छी नौकरी थी और वह पूरी मेहनत और ईमानदारी के साथ अपना काम भी कर रहा था। 2017 में अचानक दिलीप की जिंदगी ने एक करवट ली और उसने इस कंपनी को छोड़ने का फैसला कर लिया। बावजूद इसके, दिलीप की जिंदगी किसी न किसी तरह ठीक-ठाक चलती रही. 2019 में दिलीप ने अपनी पसंद की लड़की से शादी कर ली. हालांकि, उसका मन अपनी इस शादी से जल्द ही उचट गया।

शादी से महज कुछ महीनों उसने किसी दूसरी लड़की से मिलना जुलना शुरू कर दिया. जल्द ही, ये मुलाकात प्यार में तब्दील हो गईं। दिलीप ने कर ली दूसरी शादी दिलीप ने 2020 में अपनी नई मोहब्बत के साथ शादी कर ली।दिलीप ने दूसरी शादी जरूर कर ली थी, लेकिन उसके लिए दोनों शादियों को चलाना और दोनों बीबियों के खर्चे पूरा करना मुश्किल होने लगा था। पहले तो सब ठीक रहा, लेकिन कुछ ही दिनों बाद घर के खर्चों को लेकर उसकी अपनी दोनों पत्नियों के साथ कलह होने लगी।

71 हजार युवाओं को मिला नियुक्ति पत्र, बिहार के युवाओं ने पीएम नरेंद्र मोदी को दिया धन्यवाद

पटना। रोजगार मेला के तहत आज देशभर के 71 हजार युवाओं को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया. कार्यक्रम के तहत केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने बिहार से आने वाले युवाओं को नियुक्ति पत्र दिया. रोजगार मेला के दौरान गिरिराज सिंह ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी सोच और बेहतर कदम के बारे में युवाओं को बताया और देश की उन्नति में अपना योगदान ईमानदारी पूर्वक करने की अपील भी की. वहीं खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी कार्यक्रम के दौरान बिहार समेत देश के अलग-अलग राज्यों से आने वाले उन युवाओं से सीधा संवाद भी किया, जिन्हें नियुक्ति पत्र दिया गया। इधर केंद्र सरकार में नियुक्त होने वाली युवतियों से लेकर युवाओं ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सरकारी नौकरी का अवसर देने को लेकर धन्यवाद भी दिया। बात करते हुए रिद्धी और आरती ने कहा कि इनके परिवार में ये लोग पहली सदस्य है जिन्हें सरकारी नौकरी मिली है. यह इनके और इनके परिवार के लिए बेहद गर्व की बात है। वहीं जीएसटी डिपार्टमेट में इंस्पेक्टर के पद पर नियुक्त हुए कौशल ने बताया कि प्रधानमंत्री के सकारात्मक पहल से बेहद कम समय में इन्हें ना सिर्फ सरकारी नौकरी मिली है बल्कि कुशल प्रशिक्षण भी मिला. इसके लिए न्यूज 18 के माध्यम से ये प्रधानमंत्री का आभार व्यक्त करते हैं. बता दें।

आगरा: बीच चौराहे पर धंस गई सीवर लाइन, गनीमत रही नहीं हुआ कोई बड़ा हादसा

आगरा। सबसे व्यस्ततम चौराहों में से एक आगरा बिजली घर चौराहा इन दिनों काजीपाड़ा नाला चोक हो जाने से पानी भर गया है. इसके कारण सीवर लाइन धंस गई और करीब 10 से 11 फीट का गहरा गड्ढा हो गया. जब यह गड्ढा हुआ तो गनीमत रही कि आसपास कोई नहीं था और दुर्घटना नहीं हुई. लगभग 8 दिनों से यही स्थिति बनी हुई है, हालांकि इस दौरान नगर निगम के कर्मचारी काजीपुरा नाले की सफाई करने में लगे हुए हैं लेकिन अभी तक कोई समाधान निकाल पाने में सफल नहीं हो पाए हैं। सीवर लाइन फटने के कारण एक तरफ चारों तरफ पानी ही पानी है , तो दूसरी तरफ इसे ठीक करते वक्त पीने के पानी की सप्लाई वाली पाइप टूट गई जिससे अब पानी की सप्लाई भी बाधित हो गई है. सूचना मिलने पर गड्ढा भरने में लगे नगर निगम के कर्मचारी पिछले 8 दिनों से नगर निगम के कर्मचारी बिना संसाधनों के नाला साफ करने में लगे हुए हैं. गंगा जल की पाइप लाइन टूटने से सप्लाई ठप हो गई . जिससे क्षेत्रवासियों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है . लोगों को गंदे पानी के बीच से निकलना पड़ता है. इसके साथ ही पानी की लाइन टूटने से ,घरों में पानी नहीं पहुंच रहा है। जिससे रोजमर्रा की जिंदगी पर असर पड़ रहा है. हालांकि अब नगर निगम के कर्मचारी आनन-फानन में गड्ढे को भरने का काम कर रहे हैं. स्थानीय जूते कारोबारियों से होती है परेशानी जूते की कटिंग और कतरन नाले में बहाते रहेंगे तब तक यह नाला ऐसे ही चोक होता रहेगा. इसलिए आवश्यकता है कि नाले को चौक होने से बचाने के लिए पुख्ता इंतजाम किया जाए और व्यापारियों के लिए भी एक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।

स्थानीय जूते कारोबारियों से होती है परेशानी

जूते की कटिंग और कतरन नाले में बहाते रहेंगे तब तक यह नाला ऐसे ही चोक होता रहेगा. इसलिए आवश्यकता है कि नाले को चौक होने से बचाने के लिए पुख्ता इंतजाम किया जाए और व्यापारियों के लिए भी एक व्यवस्था उपलब्ध कराई जाए।

मिसाल! घर में लगी आग तो वफादार कुत्ते ने अपनी जान देकर घरवालों को बचाया!

*** घर में लगी आग तो घरवालों को जगाने को अपनी जान देने तक भौंकता रहा वफादार कुत्ता।**

*** पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र के गौरीचक गांव का मामला, कुत्ते की वफादारी से निकले आंसू।**

*** घटना के वक्त परिवार के लोग गहरी नींद में सो रहे थे, जगाने तक भौंकता रहा वफादार कुत्ता।**

पटना। राजधानी पटना के गौरीचक थाना क्षेत्र के गौरीचक गांव में एक पालतू कुत्ते द्वारा अपनी जान देकर परिवार के सभी सदस्यों की जान बचाए जाने का मामला प्रकाश में आया है। बताया जाता है कि एक घर में आग लगने के बाद जब घर के लोग गहरी नींद में सोए हुए थे तो कुत्ता लगातार भौंकता रहा. पूरा घर आग की चपेट में आ गया था, लेकिन कुत्ता लगातार भौंकता रहा. घरवालों की नींद कुत्ते के लगातार भौंकने से टूटी और सभी की जान तो बच गई, लेकिन कुत्ता तब तक आग की चपेट में आकर अपनी जान गंवा चुका था।

मिली जानकारी के अनुसार, गौरीचक गांव स्थित नागेश्वर राय के दो मंजिला घर में बीते मध्य रात्रि अचानक से आग लग गई। देखते ही देखते पूरा घर जलने लगा. घटना के वक्त परिवार के सभी सदस्य गहरी नींद में सो रहे थे. घर में आग लगने पर पालतू कुत्ते के काफी ज्यादा भौंकने पर गहरी नींद में सो रहे परिवार के सभी सदस्यों की जब नींद टूटी तो पूरा घर भीषण आग की चपेट में था।

बाद में परिवार के सदस्यों द्वारा हल्ला मचाए जाने पर ग्रामीण एकजुट हुए और किसी तरह परिवार के सभी सदस्यों को घर से सकुशल बाहर निकाला गया. हालांकि, इस दौरान घर के दरवाजे पर बंधे कुत्ते की जलने से मौत हो गई।

अगलगी की इस घटना में घर में रखा लगभग 10 लाख नकद रुपए, 8 से 10 लाख मूल्य के सोने चांदी के जेवरात, तीन मोटरसाइकिल समेत घर में रखे अन्य सामान जलकर खाक हो गये. बाद में ग्रामीणों की सूचना पर पुलिस और फायर ब्रिगेड की टीम ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया. अगलगी की इस घटना में घर में रखे सभी सामान जलकर नष्ट हो गये. घटना के संबंध में पूछे जाने पर पीड़ित नागेश्वर राय और उनकी पत्नी शांति देवी ने अगलगी में 25 लाख से भी अधिक की संपत्ति का नुकसान होने की बात कही. इसके साथ ही अपने पालतू कुत्ते द्वारा परिवार के सभी सदस्यों की जान बचाए जाने की बात बताई और वे भावुक हो गए।

7 मस्जिदों ने आखिर ऐसा क्या कर दिया कि लग गया 5-5 हजार रुपए का जुर्माना?

ध्वनि प्रदूषण कर रहे मस्जिदों पर प्रशासन की कार्रवाई का दूसरेमस्जिद संचालक विरोध कर रहे हैं. ज्वालापुर स्थित एक मस्जिद के प्रबंधक मोहम्मद आरिफ का कहना है कि मस्जिदों से ध्वनि प्रदूषण नहीं हो रहा है बल्कि गाड़ियों, मशीनों और डीजे से ध्वनि प्रदूषण होता है।

पुलकित शुक्ला, हरिद्वार। उत्तराखंड के हरिद्वारमें प्रशासन ने ध्वनि प्रदूषण करने वाले 7 मस्जिदों पर जुर्माना ठोका है. पथरी थाना क्षेत्र के कई गांवों के मस्जिदों को अजान के लिए लगे लाउडस्पीकरों को सीमित आवाज में बजाने की चेतावनी दी गई थी, लेकिन लाउडस्पीकर की आवाज कम नहीं होने पर पथरी थाना पुलिस और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट पर एसडीएम पूरन सिंह राणा ने 7 मस्जिदों पर पांच पांच हजार का जुर्माना ठोका है. वहीं दो मस्जिदों को ध्वनि प्रदूषण करने पर चेतावनी दी गई है. प्रशासन की कार्रवाई पर मुस्लिम धर्मगुरु सवाल उठा रहे हैं.

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की रिपोर्ट पर कार्रवाई

एसडीएम पूरन सिंह राणा ने बताया कि पथरी थाना क्षेत्र के कटारपुर, गुर्जर बस्ती, धनपुरा पदार्था, नसीरपुर कलां और इब्राहिमपुर कलां जैसे गांवों के मस्जिदों में तेज आवाज में लाउडस्पीकर बजाए जाने की शिकायतें मिल रहीं थी. साथ ही कुछ मस्जिदों पर बिना अनुमति के लाउडस्पीकर लगाए गए थे, जिसके बाद पथरी थाने और प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड की टीम ने मौके पर जांच की तो मस्जिदों में तय मानकों का उल्लंघन पाया गया है।

प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के रिपोर्ट के आधार पर 7 मस्जिदों पर पांच-पांच का जुर्माना और दो मस्जिदों को चेतावनी दी गई है. इसके साथ ही दोबारा ऐसे करने पर दोगुना जुर्माना लगाते हुए मुकदमा भी दर्ज कराया जाएगा।

मुस्लिक धर्म गुरु कर रहे विरोध

ध्वनि प्रदूषण कर रहे मस्जिदों पर प्रशासन की कार्रवाई का दूसरे मस्जिद संचालक विरोध कर रहे हैं। ज्वालापुर स्थित एक मस्जिद के प्रबंधक मोहम्मद आरिफ का कहना है कि मस्जिदों से ध्वनि प्रदूषण नहीं हो रहा है बल्कि गाड़ियों, मशीनों और डीजे से ध्वनि प्रदूषण होता है।

प्रशासन को पहले उन पर कार्रवाई करनी चाहिए। लेकिन मस्जिदों पर जुर्माना लगाना ठीक नहीं है।

दो लोगों ने दायर की थी जन हित याचिका

पथरी थाना क्षेत्र के कुछ मंदिरों और मस्जिदों में जरूरत से ज्यादा तेज आवाज में अजान और आरतियां बजाने से परेशान धनपुरा के अमित कुमार और तालिब हसन नाम के दो लोगों ने साल 2022 में हाईकोर्ट में जनहित याचिका दायर की थी।

इसमें बताया गया था कि दोनों ही धार्मिक स्थलों में होड़ मची हुई है, जिससे आम लोगों की शांति भंग हो गई है।

याचिका पर सुनवाई के बाद उत्तराखंड हाईकोर्ट ने बिना अनुमति के किसी भी धार्मिक स्थल पर लाउडस्पीकर ना बजाने और मानकों के अंदर ही लाउडस्पीकर बजाने के निर्देश जारी किए थे।

प्रशासन का कहना है की हाईकोर्ट के निर्देशों के तहत की कार्रवाई की गई है।

उत्तराखंड के हरिद्वार में प्रशासन ने ध्वनि प्रदूषण करने वाले 7 मस्जिदों पर जुर्माना ठोका है।

स्वामी, मुद्रक व् प्रकाशक : सुरेश मौर्या द्वारा अष्ट विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास , (भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक :सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/751000 (Subject to Surat jurisdiction)

4 फीसदी मासिक रिटर्न का झांसा देकर 25 लोगों के साथ 65 लाख की ठगी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. पौंजी स्कीम में चार फीसदी मासिक रिटर्न का झांसा देकर 25 जनों के साथ 65 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। इस संबंध में आर्थिक अपराध निरोधक शाखा (ईको क्राइम ब्रांच) ने शुक्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज के संचालकों समेत सात को नामजद कर एक महिला समेत तीन को गिरफ्तार किया हैं।

पुलिस के मुताबिक नवसारी निवासी प्रदीप शुक्ला, वेरावल निवासी धनंजय बारड, सूरत पाल निवासी देवेश तिवारी, संदीप कुमार, अंकलेश्वर निवासी विमल पंचाल, डभोली निवासी मयुर नावडिया व पुणागाम निवासी महिला हेप्पी कानाणी ने मिल कर 68 लाख रुपए की ठगी की। नियोजित साजिश के तहत उन्होंने शुक्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज के नाम से वीआईपी रोड स्थित एम्ब्रोसिया बिजनेस हब में कार्यालय शुरू किया।

फिर लोगों से फिर अलग-अलग स्कीमों में लोगों को निवेश की गई राशि पर 4 फीसदी मासिक रिटर्न के साथ बोनस के तौर पर विदेश यात्रा आदि की लुभावनी बातें बता कर अपने जाल में फंसाया। 2019 में उन्होंने 25 लोगों से 65 लाख रुपए का निवेश करवाया। उसके बाद कुछ समय तक तो लोगों को मासिक रिटर्न दिया। उसके बाद रिटर्न देना बंद कर दिया। कुछ समय बाद कार्यालय बंद कर फरार हो गए।

लोगों से इस संबंध में अलग अलग लिखित शिकायतें मिलने पर ईको क्राइम ब्रांच ने मामला दर्ज किया। तीन आरोपियों हेप्पी, विमल व मयुर को गिरफ्तार कर लिया।

मनी फाउन्डर व डेली गेट स्कीमें रांदेर निवासी पीड़ित रेखा बुंदेला (64) ने बताया कि उन्हें कल्पेश पटेल नाम के व्यक्ति से कंपनी के बारे में पता चला था। वह उनके कार्यालय पर पहुंची तो वहां गुजरात में कंपनी का प्रबंधन संभालने वाले मयुर व विमल ने मनी फाउन्डर स्कीम का प्रजेंटेशन दिखाया। कहा कि दस हजार रुपए में एक यूनिट खरीदने पर 4 **फीसदी मासिक ब्याज मिलेगा।** स्कीम में रजिस्ट्रेशन व टीडीएस के चार्ज भी कटेगा। अधिकतम 22 फीसदी ब्याज मिलेगा, साथी निवेश की गई राशि 12 महीनों तक निकाली नहीं जा सकेगी। तेरह महीनों बाद 48 कंपनी द्वारा लौटाया जाएगा। कुल मिला कर 96 फीसदी मुनाफा लौटाया जाएगा। इस पर टुकड़ों में रेखा ने 3.30 लाख रुपए का निवेश किया। अपने रिश्तेदारों व परिचितों से भी निवेश करवाया। कोविड लॉकडाउन के दौरान उन्होंने रिटर्न बंद कर दिया। पीड़िता ने संपर्क किया तो उससे कहा पुरानी स्कीम बंद कर दी गई हैं। नी स्कीम डेली गेट में उसका निवेश शिफ्ट कर दिया गया है, नई स्कीम में भी पुराने लाभ मिलेंगे, लेकिन उन्होंने कोई रिटर्न नहीं दिया। लंबे समय तक टालते रहे फिर कार्यालय बंद कर दिया।

महाराष्ट्र में भी दर्ज है मामला पुलिस सूत्रों की माने तो शुक्ल ग्रुप ऑफ कंपनीज के अध्यक्ष प्रदीप शुक्ल समेत अन्य आरोपियों के खिलाफ पिछले साल महाराष्ट्र के दोढ़ाइचा थाने में पौंजी स्कीम के तहत लाखों रुपए की ठगी का मामला दर्ज हो चुका हैं। इस मामले में प्रदीप शुक्ल समेत कई आरोपियों को महाराष्ट्र पुलिस ने गिरफ्तार किया था।

शिक्षक को स्कूल से निकालने पर विद्यार्थियों का हंगामा

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत. मनपा संचालित सुमन स्कूल से एक शिक्षक को नोटिस दिए बिना निकाल देने का आरोप लगाते हुए गुरुवार को विद्यार्थियों ने जमकर हंगामा मचाया। पोस्टर और बैनर के साथ विद्यार्थी स्कूल परिसर में ही धरना पर बैठ गए और शिक्षक को नौकरी पर वापस लेने की मांग की।

मनपा की ओर से शहर में कक्षा 9 से 12वीं के लिए सुमन स्कूलें चलाई जा रही है। इन स्कूलों में कुछ शिक्षक स्थाई है तो कुछ अस्थाई हैं। गुरुवार को उधना जोन के नागसेन नगर में उड़िया माध्यम की सुमन स्कूल में विद्यार्थियों ने हंगामा मचा दिया। विद्यार्थी एक शिक्षक को नौकरी पर वापस लेने की मांग के साथ धरना पर बैठ गए। विद्यार्थियों ने बताया कि उनकी स्कूल में पांच साल से विभूति नाम के शिक्षक पढ़ा रहे थे। बीमारी के कारण दस दिनों से वह स्कूल नहीं आ रहे थे और इसकी जानकारी आचार्य को भी थी। इसके बावजूद उन्हें नोटिस दिए बैगेर नौकरी से निकाल दिया। विद्यार्थियों का कहना था कि विभूति सर अच्छे से पढ़ाते थे, जबकि उनकी जगह नियुक्त किए गए शिक्षक का पढ़ाने का तरीका अलग है। विद्यार्थियों को कुछ समझ में नहीं आता। ऐसे में जब तक विभूति सर को नौकरी पर वापस नहीं लिया जाता तब तक कोई भी विद्यार्थी वर्गखंड में नहीं बैठेगा। उधर, आचार्य ने बताया कि लगातार गैरहाजिर रहने से प्रशासन ने ही उनकी जगह पर नए शिक्षक को नियुक्त किया है।

फेसबुक के जरिए संपर्क में आयी नाबालिग शादी करने घर से भागी

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत के सचिन क्षेत्र में एक सामाजिक कार्यकर ने 181 अभयम महिला हेल्पलाईन पर संपर्क करके एक अज्ञात युवती एक जगह पर बैठी है और कुछ बोल नहीं रही है ऐसी जानकारी दी थी। अभयम रेस्क्यु टीम उमरा तत्काल स्थल पर पहुंची और युवती को विश्वास में लेकर उसका काउन्सिलिंग किया गया।

बॉयफ्रेन्ड के न मिलने पर हताश हुई नाबालिग

अभयम टीम से बातचीत में पता चला की युवती कलकत्ता में रहती है और सूरत के युवक से परिचय में थी। युवती शादी करने के लिए कलकत्ता से सूरत आयी मगर युवक नही मिलने से हताश हो गई थी। सूरत में युवक ने जिस पते पर मिलने बुलाया था वह पर उस नाम का कोई युवक नही मिला। अभयम टीम ने युवति के परिजनों का नंबर प्राप्त करके उन्हे घटना की जानकारी दी। परिजनों ने कहा कि हम सूरत युवती को लेने आते है तब तक आप उसे सुरक्षित संभालो।

5 साल से सोश्यल मीडिया में संपर्क था

अभयम टीम ने युवती की पुछताछ करे पर पता चला की फेसबुक के माध्यम से 5 साल पुर्व दोनों का संपर्क हुआ था। युवती घर पर किसी को कुछ बताया सूरत आ गई मगर युवक नही मिलने से हताश हो गई। अभयम टीम ने युवती से कहा की उसकी उम्र अभी 17 साल है वह कानुनी रूप से शादी नही कर सकती। अज्ञात शहर और स्थल पर नाबालिक लडकी को किसी पर विश्वास करना योग्य नही है। इस लिए अभयम टीम के समझाने पर युवती घर जाने के लिए राजी हुई। परिवार का नंबर प्राप्त करके उन्हे सूचित किया और वह दो दिनों में सूरत पहुंचेगे तब तक नाबालिग को सखी वन स्टोप सेन्टर में आश्रय दिया गया। परिवार के सदस्य और नाबालिग ने अभयम 181 संस्था का आभार व्यक्त किया।

500 से ज्यादा रिक्शों पर नशे के खिलाफ जागरूकता फैलाने के बैनर लगाए

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

सूरत शहर की पुलिस पिछले दो साल से नशे के खिलाफ अभियान चला रही है। नशे के बढ़ते प्रदूषण को रोकने और लोगों को इसके प्रति जागरूक करने के लिए पुलिस ने एक नया प्रयोग किया है। पुलिस ने सार्वजनिक कार्यक्रमों में लोगों को समझाने की कोशिश के बाद शहर में चलने वाले रिक्शों पर नशा जागरूकता पोस्टर लगाकर नागरिकों को इसके खिलाफ जागरूक करने का प्रयास किया है।

रिक्शा पर लगे नशा जागरूकता पोस्टर

सूरत में पिछले दो साल से नशामुक्ति अभियान चल रहा है। आज पूरे गुजरात में नशे के खिलाफ पुलिस का विशेष अभियान चल रहा है। लोगों को ड्रग्स की तरफ जाने से रोकने और लोगों में जागरुकता बढ़ाने के लिए पुलिस ने एक नया प्रयोग किया है। पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ अभियान में शहर के 500 से अधिक रिक्शा चालकों को जोड़ा गया है। 500 से अधिक रिक्शों पर नशा विरोधी जागरूकता नारों वाले पोस्टर लगाए गए हैं। ये सभी रिक्शे शहर के अलग-अलग इलाकों में घूमेंगे और लोगों को नशे के खिलाफ जागरूक करने की कोशिश करेंगे।

स्कूल वैन और बसों पर भी बैनर लगाए जाएंगे

युवा वर्ग नशे की ओर अधिक आकर्षित हो रहा है। युवा नशे के आदी होते जा रहे हैं। स्कूल के समय से ही युवाओं में जागरूकता पैदा की जा सके इस लिए पुलिस ने विभिन्न स्कूलों की स्कूल वैन और स्कूल बसों पर पोस्टर लगाना शुरू कर दिया है। स्कूल वैन और बसें ऐसे माध्यम हैं, जिनसे युवाओं और उनके अभिभावकों तक नशा जागरूकता का संदेश पहुंच सकता है। इसलिए पुलिस ने ऐसे माध्यमों को अपने साथ जोड़ने के लिए और प्रयास किए हैं।

स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता कार्यक्रम

सूरत शहर के एसओजी डीसीपी राजदीपसिंह नकुम ने कहा कि गुजरात राज्य के गृह विभाग और सूरत शहर के पुलिस आयुक्त द्वारा ड्रग्स के खिलाफ एक विशेष अभियान चलाया जा रहा है। जिसके तहत गुजरात के किसी भी कोने से नशीले पदार्थों को प्रवेश करने से रोकने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही लोगों को नशीले पदार्थों का सेवन न करने के लिए जागरूक भी किया जा रहा है। इस वजह से अगर लोग नशा नहीं खरीदते हैं और जागरूकता पैदा की जाती है तो बेचने वालों की भी कमर अपने आप टूट जाएगी। पुलिस द्वारा स्कूल-कॉलेजों में जाकर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया जाता है।

पोस्टर में नशे के खिलाफ जागरूकता स्लोगन लिखे

पुलिस ने रिक्शा पर विभिन्न नशा विरोधी जागरूकता नारों वाले पोस्टर लगाए हैं। शहर के रिक्शा पर 'से नो टू ड्रग', 'नशा चाहे जैसा हो, होता है बेकार', 'बॉडी ब्रेकिंग इलनेस लाता, कर देता लचर - से नो टू ड्रग' जैसे नारों वाले पोस्टर लगे हुए हैं।

ज्वैलर्स ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 156 ग्राम सोने की मूर्ति तैयार की

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

गुजरात विधानसभा चुनाव में पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बीजेपी ने 156 सीटों पर जीत हासिल की है। इसी से प्रेरित होकर सूरत शहर की एक ज्वैलरी बनाने वाली कंपनी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 156 ग्राम सोने की मूर्ति तैयार की है। इस मूर्ति को बनाने में 20 से 25 लोगों की टीम ने 3 महीने की मेहनत की और इस मूर्ति को 18 कैरेट सोने से बनाया गया है। जिसकी कीमत करीब 11 लाख रुपये है।

'टेक्सटाइल एमएसएमई को डिजिटल के साथ वैश्विक रूप से प्रतिस्पर्धी बनाना' विषय पर कार्यशाला आयोजित

क्रांति समय,सूरत
www.krantisamay.com
www.epaper.krantisamay.com

नैसकॉम सीओई के सहयोग से दक्षिण गुजरात चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ने बुधवार 18 जनवरी 2023 को शाम 6ः00 बजे समृद्धि भवन, नानपुरा, सूरत में च्टेक्सटाइल एमएसएमई को डिजिटल के साथ विश्व स्तर पर प्रतिस्पर्धी बनानाज् पर एक कार्यशाला आयोजित की गई। जिसमें गांधीनगर स्थित नैसकॉम सेंटर ऑफ एक्सीलेंस के वरिष्ठ निदेशक एवं सेंटर हेड अमित सलूजा ने विशेषज्ञ वक्ता के रूप में उद्योगपतियों को उत्पाद निर्माण के दौरान दोष ढूंढकर गुणवत्तापूर्ण उत्पादन बढ़ाने के लिए डिजिटल के उपयोग पर मार्गदर्शन किया।

चैंबर ऑफ कॉमर्स के अध्यक्ष हिमांशु बोड़ावाला ने कहा कि कपड़ा उद्योग में तकनीक यानी सॉफ्टवेयर के प्रति जागरूकता लाने के मकसद से यह कार्यशाला आयोजित की गई। कपड़ा उद्योग के विकास के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स इंफ्रास्ट्रक्चर (आईओटी) की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। इसलिए उन्होंने कपड़ा उद्योग को डिजिटल उपयोग करने का सुझाव दिया।

सॉफ्टवेयर अपनाकर मशीन में समस्याओं को दूर कर ऊर्जा की खपत को कम कर सकते है : अमित सलूजा

अध्यक्ष अमित सलूजा ने कहा कि कपड़ा उद्योग में आधुनिक मशीनरी का प्रयोग किया जा रहा है और मजदूर ही अब मशीनों को चला रहे हैं। उद्योग में 30 से 40 प्रतिशत छोटे व्यवसायों ने सॉफ्टवेयर तकनीक को अपनाया है, लेकिन इसमें कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और इंटरनेट ऑफ थिंग्स (आईओटी) बुनियादी ढांचा शामिल नहीं है। लिहाजा, अब इंडस्ट्री में हार्डवेयर के साथ-साथ सॉफ्टवेयर इंस्टॉल करने की जरूरत है। यहां टेक्नोलॉजी का मतलब सॉफ्टवेयर है।

कपड़ा उद्योग में बड़ी कंपनियों और एसएमई कंपनियों के बीच प्रौद्योगिकी अपनाने में भारी अंतर है। बड़ी कंपनियों ने इस दिशा में अपना निवेश दोगुना कर दिया है। सॉफ्टवेयर कंपनियां विनिर्माण उत्पादकता में वृद्धि करती हैं, लेकिन बढ़ती लागत के कारण छोटी कंपनियां अब तकनीक में आने से हिचक रही हैं। हालाँकि भले ही विभिन्न स्टार्ट-अप तकनीक को अपना रहे हैं उन्हें स्वचालन पर ध्यान देना होगा।

उन्होंने कहा कि कपड़ा कंपनियों में सॉफ्टवेयर टेक्नोलॉजी डेटा एनालिसिस करती है और समस्या का पता लगाती है जिससे समस्या का समाधान हो सके। मशीन में सॉफ्टवेयर तकनीक स्थापित करके मशीनें एक दूसरे के बीच डेटा ट्रांसफर करती हैं। मशीन टू मशीन डेटा ट्रांसफर मशीन ऑपरेटर को सटीक डेटा प्रदान करता है। जिसकी मदद से दैनिक, साप्ताहिक और मासिक उत्पादन योजना बनाई जा सकती है। उन्होंने उद्योगपतियों को शुरुआत में पांच मशीनों में सॉफ्टवेयर तकनीक अपनाने का सुझाव दिया। परिणाम प्राप्त करने के बाद आप पूरे संयंत्र स्तर पर जा सकते हैं।

सॉफ्टवेयर से उत्पादकता स्तर में वृद्धि और उत्पादन लागत में कमी और गुणवत्ता में सुधार हो सकता है